हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 58, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 26 अगस्त, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

महंगाई पर काबू पाना हमारी प्राथमिकता : निर्मला सीतारमण

सरकार महंगाई को कंट्रोल करने के लिए कई कदम उठा रही है

नई दिल्ली। देश में तीन दिवसीय B20 शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है। इस सम्मेलन में कई उद्योगपति के साथ साथ देश के कई मंत्री जैसे पीयूष गोयल,विदेश मंत्री एस जयशंकर,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल हैं। यह वैश्विक व्यापार समुदाय के लिए आधिकारिक G20 का एक प्रमुख सहयोगी समूह है। यह एक तरह का संवाद मंच है। B20 शिखर सम्मेलन में निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार की प्राथमिकता है कि वह महंगाई पर काबू करें। ऐसे में ब्याज दरों में बढ़ोतरी इसका उपाय नहीं है। सरकार महंगाई को कंट्रोल करने के लिए कई कदम उठा रही है। महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना एकमात्र उपाय नहीं है। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमारे पास लोकतंत्र है, बोलने की आजादी है और हमें सरकार की आलोचना करने वालों से कोई समस्या नहीं है। उन्होंने अपने भाषण में स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण माना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि भारत ने पिछले नौ वर्षों में आर्थिक सुधारों की तीव्र गति प्रदर्शित की है। केंद्रीय बैंकों को विकास संबंधी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखना होगा, साथ ही महंगाई को नियंत्रित करने पर भी ध्यान देना होगा।उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत के आगामी जीडीपी आंकड़े अच्छे होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उच्च बजट पूंजीगत व्यय के कारण निजी पूंजीगत व्यय चक्र में बढ़ोतरी अब महसूस की जा सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जब हम वैश्विक तस्वीर देखते हैं तो भारत की अर्थव्यवस्था खुद बोलती है। हमें अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में तेजी से विविधता लाने की जरूरत है। लचीली और कुशल आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ अच्छी तरह से काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय बाजार ही हमारी वृद्धि को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। हमें होने वाले किसी भी झटके से खुद को पर्याप्त रूप से बचाने की जरूरत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश के दावे को लेकर पश्चिमी मीडिया पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ बोलने वाले बहुत से लोग ऐसा करना जारी रखते हैं और हमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं होती है।

पुलिस ने खंगाला अतीक-अशरफ के हत्यारोपितों का बैंक खाता, गांव पहुंच स्कूल से ली जानकारी

प्रयागराज। पुलिस ने माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ के हत्यारोपितों के गांव पहुंचकर बैंक खातों को खंगाला है। साथ ही उनके स्कूल समेत अन्य स्थानों से जानकारी ली गई है। शूटर सनी सिंह, लवलेश तिवारी और अरुण मौर्या का असली आधार कार्ड जहां-जहां से बना था, उसके बारे में भी छानबीन की गई है। तफ्तीश में पता चला है कि पिछले छह माह में हत्यारोपित या उनके परिवार के किसी सदस्य के बैंक खाते में बड़ी रकम का लेनदेन नहीं हुआ है। अतीक और अशरफ हत्याकांड की विवेचना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआइटी) की ओर से की जा रही है। हत्याकांड के मुकदमे में तीनों आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया गया है, लेकिन विवेचना अभी प्रचलित है। बताया गया है कि दो दिन पहले क्राइम ब्रांच की एक टीम हमीरपुर निवासी सनी सिंह, बांदा के रहने वाले लवलेश तिवारी और कासगंज के अरुण मौर्या के घर पहुंची। परिवार वालों से पूछताछ करते हुए उनके बैंक खाते के बारे में जानकारी ली। बैंक जाकर यह पता लगाया गया कि उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या के बाद आरोपित व उनके परिवार के सदस्यों के खाते से कितने का लेनदेन हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी को किया गया सम्मानित, राष्ट्रपति कैटरीना ने दिया ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर

एथेंस (ग्रीस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एथेंस में ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू द्वारा द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। ऑर्डर ऑफ ऑनर की स्थापना 1975 में की गई थी। इसमें देवी एथेना के सिर को स्टार के सामने की ओर "केवल धर्मी लोगों का सम्मान किया जाना चाहिए" शिलालेख के साथ दशार्या गया है। ऑर्डर ऑफ ऑनर का ग्रैंड क्रॉस ग्रीस के राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्रियों और प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण ग्रीस के कद को बढ़ाने में योगदान दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पारस्परिक हित के क्षेत्रों में ग्रीस-भारतीय मित्रता को रणनीतिक बढ़ावा देने में पीएम मोदी के निर्णायक योगदान को भी पहचान दी गई है।

इससे पहले एथेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रीस की राष्ट्रपति सकेलारोपोलू से मुलाकात के दौरान चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर बात की। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 40 साल में ग्रीस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय पीएम हैं। इससे पहले भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सितंबर 1983 में ग्रीस का दौरा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू से कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता की जीत है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रयान अभियान की सफलता पर ग्रीस की राष्ट्रपति की ओर से दी गई शुभकामनाओं के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा, चंद्रयान-3 मिशन द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के निष्कर्षों से पूरी वैज्ञानिक बिरादरी और मानव जाति को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता केवल भारत की जीत नहीं है, यह पूरी मानवता की जीत है।

इससे पहले ढोल-नगाड़ों की थाप और वंदे मातरम के नारों के बीच प्रधानमंत्री मोदी का एथेंस में उनके होटल के बाहर बड़ी संख्या में एकत्र हुए प्रवासी भारतीयों ने जोरदार स्वागत किया। तिरंगा थामे वहां खड़े कई लोगों ने प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी ली, उनसे ऑटोग्राफ लिए और उनसे हाथ भी मिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रीस में अपने कार्यक्रमों की शुरूआत एथेंस में अज्ञात सैनिकों के मकबरे पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की। इसके बाद उन्हें एक समारोह में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस के निमंत्रण पर यहां आए हैं। वह दक्षिण अफ्रीका से यहां ग्रीस की राजधानी पहुंचे। ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस ने हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। ग्रीस के प्राचीन शहर एथेंस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने गुमनाम सैनिकों के मकबरे पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गुमनाम सैनिकों का मकबरा एथेंस में सिंटाग्मा स्क्वायर में स्थित एक युद्ध स्मारक है, जो पुराने रॉयल पैलेस के सामने है। यह विभिन्न युद्धों के दौरान मारे गए ग्रीस के सैनिकों को समर्पित है।

'एक भी इंच जमीन' राहुल के बयान पर भाजपा का पलटवार, कहा- नेहरू ने चीनी सेना को दिए थे चावल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चीन पर दिए बयान को लेकर बीजेपी ने उन पर निशाना साधा है। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की नहीं, बल्कि नफरत की दुकान है। राहुल ने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली है।

राहुल ने फिर गलत बयान दियाः बीजेपी- बीजेपी नेता ने अपनी पीसी में आगे कहा कि राहुल ने फिर चीन पर अनर्गल बयान दिया है। राहुल आधारहीन बयान देने में माहिर हैं। वो चीन से इतना प्यार क्यों करते हैं। राहुल का चीन से क्या रिश्ता है। उन्होंने आगे कहा कि नेहरू जी ने चीन की मदद की थी। नेहरू ने चीन की सेना को चावल दिए थे।

हम चीन के साथ कांग्रेस सरकार के रिश्ते और हमारी सरकार के रिश्ते को साफ करना चाहते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार आने के बाद 2020 में बीजिंग के एक थिंक टैंक ने कहा था कि चीन थियानमेन चौक के बाद अपने सबसे खराब कूटनीतिक अलगाव से गुजर रहा हैं। यानी थियानमेन चौक के नरसंहार के दौर के सबसे बुरे कुटनीतिक दौर से गुजरने की स्थिति में चीन है। ये वहां के लोग कह रहे हैं।

बीजेपी नेता ने आगे कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि राहुल गांधी बार-बार चीन पर प्यार क्यों बरसाते हैं। वो यह कहते हैं कि लेह में मुझे लोगों ने बताया। ये कौन लोग हैं, कौन बताता है? चीन के साथ उनका क्या समझौता हुआ वो उन्होंने नहीं बताया था। उसकी तस्वीर आई थी। डोकलाम के दौरान उन्होंने चीनी राजदूत के साथ जो खाना खाया था, उसका नहीं बताया, उसकी तस्वीर आई थी। कांगेस नेता ने कारगिल में शुक्रवार को एक रैली करते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा था। राहुल ने कहा था कि लद्दाख एक रणनीतिक क्षेत्र है। चीन ने भारत की जमीन छीन ली है। दुख की बात है कि विपक्ष की बैठक में पीएम ने कहा था कि लद्दाख का एक इंच चीन भी चीन ने नहीं लिया है। यह झूठ है।

सहारनपुर हादसाः नदी में सौरभ का भी शव मिला, मृतकों की संख्या हुई 10, गांव में हर तरफ पसरा है मातम

सहारनपुर। सहारनपुर में नदी में बहे 12 वर्षीय किशोर सौरभ पुत्र धर्मवीर का शव मिल गया है। हादसे में मृतक श्रद्धालुओं की संख्या 10 हो गई है। वहीं, गांव में 10 लोगों की मौत होने से हर तरफ मातम पसरा हुआ है। बृहस्पतिवार को नदी से पांच श्रद्धालुओं बालेली निवासी किरण (35) पत्नी धर्मवीर, एकता (14) पुत्री धर्मवीर, अक्षय कुमार (22) पुत्र महिपाल, नीतीश कुमार (7) पुत्र राहुल, और कामनी उर्फ मिस्टी (8) पुत्री पवन कुमार के शव नदी से मिले थे। हादसे के समय चार श्रद्धालुओं मंगलेश (55), पोती आदिति (तीन), टीना (13), सुलोचना (58) की मौके पर मौत हो गई थी। उधर, बालावाली बालेली गांव में कोहराम मचा है। पूरा गांव शोक में डूबा है। जनपद के थाना गागलहेड़ी क्षेत्र के गांव बालावाली उर्फ बालेली गांव से बागड़ जाने से पूर्व बुधवार की शाम ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से रिश्तेदारी में गांव रंडौल जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र में गांव बोदंकी के पास पहुंचे तो बरसात की वजह से ढ़मोला नदी के रपटे पर पानी अधिक होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो पलट गई थी।

प्याज पर निर्यात शुल्क को लेकर शिवसेना ने केंद्र को घेरा, लिखा- लोगों को अंतरिक्ष मिशन में उलझाया

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) ने शुक्रवार को केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र सामना में लिखे संपादकीय में लिखा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार सूरज पर मिशन भेज सकती है, लेकिन सरकार को पहले देश में प्याज के मुद्दों पर फोकस करना चाहिए वरना 2024 के लोकसभा चुनाव में सरकार का पता भी नहीं चलेगा। शिवसेना (यूबीटी) ने प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के सरकार के फैसले की आलोचना की। बता दें कि केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले का किसानों द्वारा विरोध किया जा रहा है। महाराष्ट्र के नासिक, अहमदनगर और पुणे जिलों में बड़े पैमाने पर प्याज की खेती की जाती है। यही वजह है कि केंद्र सरकार द्वारा प्याज पर निर्यात शुल्क लगाने के मुद्दे पर

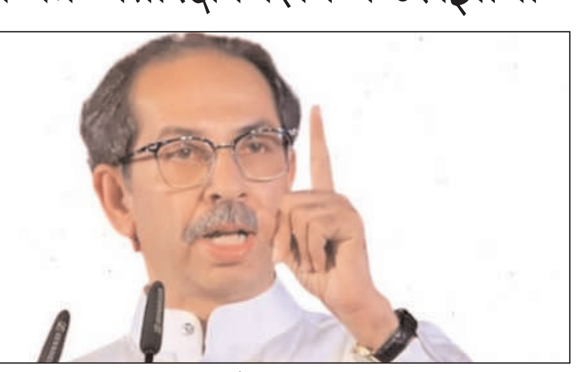

राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। शिवसेना के मुखपत्र के संपादकीय में लिखा गया है कि 'देश के लोगों को नए मिशन जैसे चंद्रमा मिशन, सूर्य मिशन और शुक्र मिशन में लगाया जा रहा है। मिशन सूर्य आदि सब ठीक हैं लेकिन यह बेहद जरूरी है कि देश में प्याज के मुद्दे को भी सुलझाया जाए। आप सूर्य पर मिशन भेजिए लेकिन उससे पहले आपको प्याज के मुद्दे को सुलझाना चाहिए वरना आपका मिशन 2024 गड़बड़ा जाएगा और आपको अंदाजा भी नहीं होगा।' बीते बुधवार को ही भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने सफलतापूर्वक चांद की सतह पर लैंडिंग की है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद से पूरे देश में इसे लेकर खुशी है और पूरी दुनिया में भारत की प्रतिभा का डंका बज रहा है। शिवसेना का ताजा बयान भी इसी संदर्भ में सामने आया है। इसरो ने अब चांद के बाद सूर्य, शुक्र पर भी मिशन भेजने की तैयारी की है। साथ ही इसरो गगनयान मिशन के जरिए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भी पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजेगा।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने जैन की अंतरिम जमानत चिकित्सा आधार एक सितंबर तक बढ़ा दी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री अब एक सितंबर तक जेल से बाहर रहेंगे। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिलहाल अंतरिम जमानत पर चल रहे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी शहर के एक निजी अस्पताल में हुई है। इस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। जैन को तीन प्रमुख अस्पतालों द्वारा गंभीर रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सिफारिश की गई थी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में उनकी सर्जरी की गई। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह पुलिस हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। तिहाड़ जेल में बंद रहने के दौरान वह बाथरूम में गिर गए थे। इस वजह से उनके कमर में चोट लगी थी। इसके

अलावा उन्हें सिर में भी चोट लगने की बात सामने आई थी। इस वजह से वह कई दिनों तक लोकनायक अस्पताल में भर्ती रहे थे। अभी वर्तमान में वह रीढ़ की हड्डी में परेशानी के चलते बेल पर हैं। जैन पर शेल कंपनियां बनाकर 16 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर करने का आरोप है।

मधुमिता के परिवार को झटका, एससी ने अमरमणि त्रिपाठी की रिहाई पर रोक नहीं लगाई; बहन ने अपनी हत्या की आशंका भी जताई

लखनऊ। अमरमणि त्रिपाठी के लिए आज का दिन राहत भरा रहा, राज्यपाल से मिली रिहाई के आदेश के बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने भी रिहाई पर रोक से इनकार कर दिया। इससे पहले मधुमति के परिवार ने राज्यपाल के आदेश पर हैरानी जताते हुए सवाल उठाए थे कि जब आज कोर्ट में सुनवाई होनी है तो उन्हें रिहाई कैसे दी जा सकती है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस मामले ने सूबे का सियासी पारा भी बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद निधि शुक्ला ने कहा कि हम बहुत उम्मीद से आए थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट जो करता है वो सही करता है। उन्होंने कहा कि हम राज्यपाल से गुहार लगाते हैं कि आपके पास सभी कागज मौजूद हैं, कम से कम वो तो रिहाई पर रोक लगा दें। अपनी बात को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री और राज्यपाल से अपील करती हूं कि रिहाई पर रोक लगा दें। बकौल निधि शुक्ला, RTI आवेदनों में कहा गया है कि अमरमणि वास्तव में कभी जेल नहीं गए। वह कुछ भी कर सकता है...अगर उसने मेरी हत्या कर दी तो इस केस की पैरवी करने वाला कोई नहीं बचेगा?...यूपी में कैसी कानून-व्यवस्था है? इससे पहले मधुमिता की बड़ी बहन निधि शुक्ला ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा था कि सजा माफी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होनी है तो सरकार अमरमणि त्रिपाठी व मधुमणि त्रिपाठी को कैसे रिहा करने का आदेश कर सकती है। वीडियो में उन्होंने बताया था कि अभी वह लखीमपुर खीरी में हैं और उन्हें सरकार के आदेश की कोई जानकारी नहीं है। शुक्रवार को लखनऊ

आकर अपना पूरा पक्ष रखूंगी।

कवयित्री मधुमिता शुक्ला की हत्या के मामले में दोषी पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी की समय पूर्व रिहाई होगी। कारागार विभाग ने दंपती की दया याचिका को स्वीकार कर अच्छे आचरण के चलते शेष सजा को माफ कर समय पूर्व रिहाई का आदेश जारी किया है। लखनऊ की पेपरमिल कालोनी में कवयित्री मधुमिता की नौ मई, 2003 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जांच सीबीआइ ने की थी। देहरादून के विशेष न्यायाधीश/सत्र न्यायाधीश ने मधुमिता की हत्या में दोषी बाहुबली व पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी व उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पूर्व में दोनों हरिद्वार जेल में निरुद्ध थे। बाद में दंपती को गोरखपुर जेल स्थानांतरित किया गया था। कारागार विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार अमरमणि की आयु 66 वर्ष है। वह 22 नवंबर, 2022 तक 17 वर्ष, नौ माह व चार दिन की सजा काट चुके थे। जबकि 20 वर्ष एक माह व 19 दिन की सपरिहार सजा पूरी हुई है। ऐसे ही मधुमणि की उम्र 61 वर्ष है। कारागार विभाग के अलग-अलग आदेशों के अनुसार दंपती की भोगी गई सजा व अच्छे जेल आचरण को देखते हुए समयपूर्व रिहाई का निर्णय किया गया है। यदि अमरमणि त्रिपाठी व मधुमणि त्रिपाठी को किसी अन्य वाद में निरुद्ध रखा जाना वांछित नहीं है तो उन्हें जिला मजिस्ट्रेट गोरखपुर के समक्ष दो जमानतें व तथा उतनी ही धनराशि का निजी मुचलका देने पर जेल से मुक्त करने का आदेश है।

ओवरटेक करते समय फिसली बुलेट, ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे आए दो दोस्त, मौत

रामपुर। सिविल लाइंस क्षेत्र में हाईवे पर हुए हादसे में दो युवकों की मृत्यु हो गई। दोनों बुलेट पर जा रहे थे। ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करते समय बुलेट फिसल गई। दोनों ट्रैक्टर ट्राली के पहिये के नीचे आ गए। मृतकों में एक की पहचान सिविल लाइंस क्षेत्र के मुहल्ला रोशन बाग निवासी 30 वर्षीय चंद्रपाल पुत्र सोहन लाल के रूप में हुई है। वह ट्रक चलाता था। आजकल घर पर ही रह रहा था। गुरुवार शाम वह घर से घूमने के लिए बुलेट बाइक लेकर निकल गया। रास्ते में उसे मिलक कोतवाली क्षेत्र के किरा गांव का मनोज मिल गया। दोनों बुलेट बाइक से मुरादाबाद की ओर जा रहे थे। आंबेडकर पार्क के पास चंद्रपाल ने आगे चल रही ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस प्रयास में बुलेट फिसल गई। दोनों ट्रैक्टर ट्राली के पहिये के नीचे आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सिविल लाइंस पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चंद्रपाल की सांस चल रही थी। उसे भर्ती कर लिया, जबकि मनोज को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर चंद्रपाल के स्वजन भी जिला अस्पताल आ गए। डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। स्वजन

उसे मुरादाबाद के कासमास अस्पताल ले गए। यहां रात तीन बजे उसकी भी मौत हो गई। उसके शव का मुरादाबाद में ही पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक की दो छोटी बेटियां हैं। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी पंकज पंत ने बताया कि मृतक चंद्रपाल की पत्नी रीता की ओर से ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

संपादकीय

मां से चंदा मामा तक का सफर

भारत ने धरती से चांद तक का सफर सफलतापूर्वक तय कर लिया है। 23 अगस्त 2023 की शाम 6:02 पर चंद्रयान 3 चांद के दक्षिणी ध्रुव में पहुंच गया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और चांद की परिक्रमा करते हुए, चंद्रयान ने धरती से चांद की 3.84 लाख किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय करके सारी दुनिया को चौंका दिया है। भारत पहला ऐसा देश बन गया है। जिसने दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने में सफलता अर्जित की है। इससे भी बड़ी सफलता की बात यह है, कि धरती से चांद की इस यात्रा में भारतीय वैज्ञानिकों ने,जिस तरह से पृथ्वी और चांद के गुरूत्वाकर्षण के बीच में समन्वय बनाने का असाधारण काम किया है। वह सारी दुनिया के लिए हैरान करने वाला है। भारत के वैज्ञानिकों ने जिस तरह से चंद्रयान-3 के लिए मिनट और सेकंड का इस्तेमाल करते हुए पल-पल की जो योजना तैयार की। विभिन्न तकनीकों के बीच समन्वय बनाने का काम किया। चांद के बारे में जानने के लिए सैटेलाइट रोबोट के माध्यम से चांद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी एकत्रित करने की दिशा में काम किया है। वह अद्वितीय है। भारत की इस कामयाबी से चांद पर अब बस्ती बनाने की दिशा में भी सोचा जा सकता है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब चांद की यात्रा भी भविष्य में सफलता पूर्वक की जा सकेगी। इसकी नई संभावनाएं खुलकर सामने आ गई हैं। चंद्रयान-3 ने यह साबित कर दिया है, कि भारतीय वैज्ञानिकों को यदि थोड़े से भी संसाधन मिलते हैं। सरकार उनके कार्यों को सुगम बनाने के लिए समय पर त्वरित निर्णय लेकर संसाधन उपलब्ध करा देती है। तो भारत के वैज्ञानिक किसी भी असंभव काम को संभव कर सकते हैं। सारी दुनिया में भारत के वैज्ञानिक अपने ज्ञान का झंडा फहरा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। भारत के धर्म शास्त्रों में ऋषि-मुनियों ने गृह, नक्षत्र एवं प्रकृति के सभी रहस्यों के बारे में तरह-तरह की जानकारी उपलब्ध है। जो भारतीय वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के रहस्य से जोड़ने में महत्वपूर्ण होती है। भारतीय संस्थान इसरो का अगला मिशन सूर्य तक पहुंचाने का है। इसके लिए इसरो ने अपनी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली है। आदित्य एल नाम का रॉकेट का प्रक्षेपण करने की दिशा में बहुत तेजी से काम चल रहा है। सितंबर या अक्टूबर माह में सूर्य का अध्ययन करने के लिए गगनयान अभियान शुरू हो जाएगा। इसको सूर्य तक पहुंचाने के लिए कम से कम 120 दिन का समय लगेगा। चांद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचाने की परिकल्पना पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद ने की थी। उनका सपना उनके शिष्यों ने पूरा करके अपने गुरु डॉ अब्दुल कलाम आजाद को गुरु दक्षिणा दे दी है। चांद को लेकर भारतीय सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था में बहुत सारे मिथक, कथानक और कहावतें जुड़ी हुई हैं। बचपन से ही हमें चांद के बारे में सुनने को मिलता रहा है, चंदा मामा दूर के- पुडी पकाए पूरके की लोरी सुनकर भारत के बच्चे बड़े होते हैं। बच्चों की जिद को पूरा करने के लिए चंदा मामा को पानी भरी थाली में उतारकर माएं चंदा मामा से बच्चों को जोड़ने का काम करती रही हैं। चंद्रमा के बारे में वह सभी मिथक और कहावतें एक बार नए तरीके से सामने देखने को मिलेगी। पृथ्वी और चांद का रिश्ता भारत में मां और मामा का बना हुआ है। निश्चित रूप से आगे चलकर और प्रगाड़ होगा। यह आशा की जा सकती है। चंद्रयान 3 के मिशन में इसरो की पूरी टीम ने जिस तरह एकजुट होकर पूरे उत्साह के साथ इस मिशन को पूरा किया है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। अलग-अलग क्षेत्र के वैज्ञानिकों ने एक साथ मिलकर अलग-अलग ज्ञान को एक साथ जोड़कर जो सफलता हासिल की है। उससे विश्व भर में भारत का सम्मान बढ़ा है। इस असाधारण सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिक और इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हर क्षेत्र के वैज्ञानिक और छोटे बड़े सभी व्यक्तियों की जितनी सराहना की जाए, कम है। चंद्रयान तीन की सफलता से सारी दुनिया में भारत का स्वाभिमान और विज्ञान जगत में भारत की साख बहुत बढ़ी है। सरकार को इस तरह की खोज करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयास करने चाहिए। इसरो ने बहुत कम लागत में और बहुत बड़े-बड़े काम करके सारी दुनिया में एक नया इतिहास रचा है। इसरो ने साबित कर दिया है,कि भारतीय प्रतिभाओं को यदि मौका मिलता है।

गया है वोटर रूठ!

खोल दिया है चैप्टर ।
बोल रहे भी झूठ ।।
यह भी लेकिन सत्य है ।
गया है वोटर रूठ ।।
राह नहीं आसान है ।
गल रही ना दाल ।।
फिर भी लेकिन ज़िद है ।
करना है धमाल ।।
छटपटाहट में अक्सर ।
बिगड़ जाते काम ।।
फेहरिस्त है लंबी ।
लें किस किस का नाम ।।
बस केवल विवाद से ।
ना खुलती तकदीर ।।
आकर के धरातल पर ।
बनना पड़ता वीर ।।

–कृष्णोन्द्र राय

ऋतु गीत–सावनी कजली

कजली ऋतु गीत है। सावन की रिमझिम फुहार के साथ ही इस गीत को लोकमानस गाता और गुनगुनाता है। लोक साहित्य के अंर्तगत लोकगीतों का विशेष स्थान है। वस्तुतः कजली लोकगीत है। ऐसे लोकगीत जो ऋतुपरक हैं उनके माध्यम से लोकमानस अपने ह्रदय के उद्गार अपने सुख-दुख को व्यक्त करता है।

कजली सावन मास में गाई जाती है।

सावन में आकाश में उमड़ते-घुमड़ते बादलों की आवाजाही और धरती पर चारो तरफ फैली हुई हरियाली एक अद्भुत निराली छटा बिखराती हुई प्रकृति ,चारो तरफ श्यामलता और शीतलता का फैलाव बड़ा ही मनमोहक होता है। भक्त कवि सूरदास जी लिखते हैं-- जंह देखौं तंह श्याममयी है।श्याम कुंज वन यमुना श्यामा,श्याम श्याम घन घटा छाई है।

तो ऐसे सुंदर मनोहारी वातावरण में बागों में झूले लहकते हैं और कजली गाई जाती है। वर्षा ऋतु में उमड़ते-घुमड़ते बादलों से आच्छादित आकाश के नीचे खुले मैदान में कजली गीतों को लोकमानस गाता है। किसान और किसानिन अपने खेतों में धान की रोपनी करते समय भी कजली गीतों को बड़ी तल्लीनता से गाते हैं। भवानी प्रसाद मिश्र ने अपनी एक कविता जो की वर्षा ऋतु पर है उसमें उन्होंने बड़े सुन्दर ढंग से इसका जिक्र करते हुए लिखा है कि- खेतों में खड़ी किसानिन कजरी गाए रीह्व।

वर्षा ऋतु में काले कजरारे बादलों के साथ ही कजली गाई जाती है संभवत इसीलिए इसका नाम कजली पड़ा है।

कुछ पुस्तकों में ऐसा भी उल्लेख मिलता है कि कजली वन (एक स्थान) में गाए जाने के कारण इसका नाम कजली पड़ा या फिर सावन-भादों की शुक्ल पक्ष की तीज (जिस दिन कजली के गीत विशेष रूप से गाए जाते हैं) का नाम ही कजली तीज है। इस कारण भी इसका नाम कजली पड़ गया ऐसा जान पड़ता है।

सावन में झूला झूलते और पेंग बढ़ाते समय गाया जाने वाला यह गीत बहुत ही मनोहारी होता है। वैसे तो पूरे उत्तर प्रदेश में कजली गाई जाती है किन्तु कुछ स्थान ऐसे हैं जहां की कजली बहुत अधिक प्रसिद्ध है जैसे– आजमगढ़,बनारस, मिजार्पुर, जौनपुर आदि। जौनपुर के कजगांव में तो कजली मेला भी लगता है।

लोककंठ में रचे-बसे इन कजली गीतों में श्रृंगारिकता के साथ ही साथ पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं की सुन्दरतम अभिव्यक्ति भी देखने सुनने को मिलती है।

बचपन में मुझे सौभाग्य से अपनी नानी मां का साथ मिला।वे बहुत ही कर्मठी, गुणी और भगवत भक्ति में लीन रहने वाली भद्र महिला थीं उनसे मैंने बहुत से भजन,कीर्तन और कजली गीत सुने थे जो अब भी कुछ कुछ मेरी स्मृतियों में रचे -बसे हैं। जैसे–

१- झूला पड़ा कदम की डारीं
झूलैं कृष्ण मुरारी ए हरी

२- जनक बगिया में राम और लखन चले, तोड़ने सुमन चले ना।

३- कृष्ण जनम लिए कैद की कोठरिया में, मथुरा नगरिया में ना।

४- कृष्ण कूदि गये कालीदह में जायके,गेंदवा गिराय के ना।

५- हरि हरि राम चंद्र जी से बैर किया सो हारा ए हरी।

६- हरि हरि नाथूराम राम हत्यारा बापू को मारा ए हरी आदि बहुत से कजली गीत मैंने अपनी नानी मां से सीखे थे।सबका उल्लेख तो यहां संभव नहीं है पर एक कजली जो मुझे बहुत ही प्रिय है उसका उल्लेख करती हूं–

हरि हरि राम चंद्र जी से बैर किया हो हारा ए हरी।बैर तो क इलें उहै बन की घूंघुचिया रामा, अरे रामा सगरी देंहियां लाली मुख पर काला ए हरी।

बैर तो क इलैं उहै चकयी और चकौआ रामा ,अरे रामा सगरो दिनवां साथ रात में बिलगैं ए हरी।

बैर त क इलैं उहै लंका के राजा रावण रामा,अरे रामा सोने की लंका जरि के भ इलीं राखी ए हरी।

बैर त क इलैं उहै मथुरा के राजा कंस रामा, अरे रामा कंस क भ इलैं विधंस लोग सब हुलसैं ए हरी।

हरि हरि राम चंद्र जी से बैर किया सो हारा ए हरी।

ये कजली गीत नासिरुद्दीन पुर(चंद्रबली पुर) सठियांव, आजमगढ़ (मेरे ननिहाल) का है। इसी प्रकार जीयनपुर, बड़ा गांव मेरे मौसियान से कुछ गीत मुझे प्राप्त हुए। जैसे–

१–बैठल कोप भवन में कैकेई मनवां मारके,घूंघटा उघारिके ना।

२–जनम लिए नंदलाल आधीरात में ऋतु बरसात में ना।

इसी प्रकार हंड़िया तहसील, प्रयागराज से एक अस्सी साल की वृद्ध महिला (जिनकी रिकॉर्डिंग मेरे शोधार्थी ने मुझे भेजा) द्वारा एक कजली गीत प्राप्त हुआ जो वियोग श्रृंगार का अच्छा उदाहरण है---

हरे रामा पिया गए परदेस भेजहिं नांहिं चिठिया ए हरी। नाहीं भेजैं चिठिया नाहीं भेजैं च उपतिया रामा।

हरे रामा लिखि लिखि भेजैं आपन मोर बिरोगवा ए हरी।

मिजार्पुर की कजरी भी बहुत प्रसिद्ध है।एक कजरी जो संयोग श्रृंगार का सुंदर उदाहरण है ,और मुझे प्रिय है, प्रस्तुत है–

पिया मेंहदी लियादा मोती झील से जाके साइकील से ना।

पिया मेंहदी लियावा छोटी ननदी से पिसावा,हमरे हाथ में लगावा कांटा कील से,जाइके साइकील से ना।

इहै सावनी बहार माना बतिया हमार, कौनो फायदा ना निकली दलील से ,जाइके साइकील से ना।

पकड़ लेई बागबान चाहे हो जाई चलान,तोंहके लड़िके छोड़ाइ लेब वकील से, जाइके साइकील से ना।

मन में लागल बाटै साध,पूरा क इदा पिया आज,तोहपे सब कुछ निछावर

क इलीं दील से,जाइके साइकील से ना।पिया मेंहदी लियादा---

इस प्रकार लोककंठ में रचे-बसे इन गीतों को समेटने और सहेजने की आवश्यकता है क्योंकी गीत ही मर जाएंगे तो क्या यहां रह जाएगा

डॉ मधु पाठक
राजा श्रीकृष्ण दत्त
पी.जी. कॉलेज, जौनपुर
उत्तर प्रदेश।

अंतरिक्ष में भारत के बुलंद हौसले की उड़ान है चंद्रयान-3

सफलता और असफलता में एक समतल रेखा होती है जिसको परिश्रम और साहस से मिटाया जा सकता है ठीक वही हुआ भारत के चंद्रयान मिशन के साथ 2019 में जब चंद्रयान दो का प्रोपल्शन मॉड्यूल से बाहर उठकर चंद्रमा की कक्षा में पहुंचना और लैंडर का सुरक्षित चंद्रमा की सतह पर न पहुंच पाना असफलता का प्रमुख उद्बोधक नहीं था परंतु हमारे वैज्ञानिकों ने उसे मिशन को रोक नहीं अपितु उसमें हुई गलतियों की बारीकियां से सीख कर चंद्रयान-3 के कार्यक्रम में जी जान लगाकर जुट गये। चंद्रयान-3 के मिशन में भारत अपने प्रोपल्शन लैंडर और रोवर तीनों मॉड्यूल में सफल रहा कल जब चंद्रयान चंद्रमा की सतह पर 6:04 पर पहुंचा तो वह दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का एकमात्र लैंडर था जिसने न केवल भारत का बल्कि दुनिया को आईना दिखाया की कम लागत और बजट में अपने मेहनत और दिमाग की क्षमता से कैसे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर असंभव को संभव किया जा सकता है। भारत का यह मिशन अतुलनीय और सराहनीय इसलिए भी हो जाता है किशन 1962 में पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं विक्रम साराभाई के बदौलत शुरू हुआ इसरो आज दुनिया में अपने बुलंद हौसले और अकल्पनीय शक्ति से पहचाना जाने लगा है,पहले इसरो को भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) के नाम से जाना जाता था, जिसे डॉ. विक्रम ए. साराभाई की दूरदर्शिता पर 1962 में भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। इसरो का गठन 15 अगस्त, 1969 को किया गया था तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए विस्तारित भूमिका के साथ इन्कोस्पार की जगह ली।क्रफ्ढ की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत की अंतरिक्ष एजेंसी है। इस संगठन में भारत और मानव जाति के लिए बाह्य अंतरिक्ष के लाभों को प्राप्त करने के लिए विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शामिल हैं। इसरो अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.), भारत सरकार का एक प्रमुख घटक है। विभाग भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को मुख्य रूप से इसरो के तहत विभिन्न केंद्रों या इकाइयों के माध्यम से निष्पादित करता है। इसरो/अं.वि. का मुख्य उद्देश्य विभिन्न राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास और अनुप्रयोग है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, इसरो ने संचार, दूरदर्शन प्रसारण और मौसम संबंधी सेवाओं, संसाधन मॉनीटरन और प्रबंधन; अंतरिक्ष आधारित नौसंचालन सेवाओं के लिए प्रमुख अंतरिक्ष प्रणालियों की स्थापना की है। इसरो ने उपग्रहों को अपेक्षित कक्षाओं में स्थापित करने के लिए उपग्रह प्रक्षेपण यान, पी.एस.एल.वी. और जी.एस.एल.वी. विकसित किए हैं।

अपनी तकनीकी प्रगति के साथ, इसरो देश में विज्ञान और विज्ञान संबंधी शिक्षा में योगदान देता है। अंतरिक्ष विभाग के तत्वावधान में सामान्य प्रकार्य में सुदूर संवेदन, खगोल विज्ञान और तारा भौतिकी, वायुमंडलीय विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए विभिन्न समर्पित अनुसंधान केंद्र और स्वायत्त संस्थान हैं। इसरो के स्वयं के चंद्र और अंतरग्रहीय मिशनों के साथ-साथ अन्य वैज्ञानिक परियोजनाएं वैज्ञानिक समुदाय को बहुमूल्य आंकडे प्रदान करने के अलावा विज्ञान शिक्षा को प्रोत्साहित और बढ़ावा देते हैं, जो परिणामस्वरूप विज्ञान को बढ़ावा देता है। इसरो का मुख्यालय बेंगलूरु में स्थित है। इसकी गतिविधियाँ विभिन्न केंद्रों और इकाइयों में फैली हुई हैं। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वी.एस.एस.सी.), तिरुवनंतपुरम में प्रमोचक रॉकेट का निर्माण किया जाता है; यू. आर. राव अंतरिक्ष केंद्र (यू.आर.एस.सी.), बेंगलूरु में उपग्रहों की डिजाइन एवं विकास किया जाता है; सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एस.डी.एस.सी.), श्रीहरिकोटा में उपग्रहों एवं प्रमोचक रॉकेटों का समेकन तथा प्रमोचन किया जाता है; द्रव नोदन प्रणाली केंद्र (एल.पी.एस.सी.), वलियमाला एवं बेंगलूरु में क्रायोजेनिक चरण के साथ द्रव चरणों का विकास किया जाता है; अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), अहमदाबाद में संचार एवं सुदूर संवेदन उपग्रहों के संवेदकों तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से संबंधित पहलुओं पर कार्य किया जाता है; राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एन.आर.एस.सी.), हैदराबाद में सुदूर संवेदन आँकड़ों का अभिग्रहण, प्रसंस्करण तथा प्रसारण किया जाता है। डॉ. विक्रम साराभाई ने 1962 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR) बनाई। डॉ. साराभाई के नेतृत्व में INCOSPAR ने तिरुवनंतपुरम में थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (TERLS) की स्थापना की।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, जो बाद में भारत के राष्ट्रपति बने, रॉकेट इंजीनियरों की शुरूआती टीम में से थे जिन्होंने INCOSPAR की स्थापना की थी। बाद में TERLS का नाम विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र रखा गया। पहला रॉकेट 21 नवंबर 1963 को यहीं से लॉन्च किया गया था। इसने भारतीय स्पेस प्रोग्राम की ऐतिहासिक शुरूआत की। क्व्उडरढअफ 15 अगस्त 1969 को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) बन गया। INCOSPAR के गठन के ठीक एक साल बाद, 1963 में, भारत ने अपना पहला रॉकेट अंतरिक्ष में लॉन्च किया था। ऊपरी वायुमंडल की जांच के लिए बनाए गए साउंडिंग रॉकेट को केरल के थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन से लॉन्च किया गया था। इसे अब विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के रूप में जाना जाता है। डॉ. कलाम ने बताया था कि कैसे तैयारी शुरू होने से पहले INCOSPAR को एक स्थानीय चर्च से जमीन लेनी पड़ी और ग्रामीणों को स्थानांतरित करना पड़ा। फिर, वे रॉकेट पार्ट्स को साइकिल के माध्यम से लॉन्च पैड तक ले जा रहे थे। 21 नवंबर, 1963 को उन्होंने डॉ. होमी भाभा जैसे एलीट साइंस्टिस्ट्स की मौजूदगी में रॉकेट लॉन्च किया।सैटलाइट लॉन्च वीइकल-3 (SLV-3) भारत का पहला एक्सपेरिमेंटल सैटलाइट लॉन्च वीइकल था। यह 40 किलोग्राम श्रेणी के पेलोड को निम्न पृथ्वी ऑर्बिट (LEO) में रखने में सक्षम था। इसे 18 जुलाई 1980 को लॉन्च किया गया था। रछ्श-3 ने रोहिणी को ऑर्बिट में स्थापित किया था। इस तरह भारत अंतरिक्ष-प्रगतिशील देशों के एक विशेष क्लब का छठा सदस्य बन गया। रोहिणी क्रफ्ढ द्वारा लॉन्च सैटलाइट की एक सीरीज थी। इस सीरीज में चार सैटलाइट शामिल थे। उनमें से तीन ने सफलतापूर्वक ऑर्बिट में प्रवेश किया। आर्यभट्ट भारत का पहला उपग्रह था जिसे 19 अप्रैल 1975 को कॉस्मोस-3 एम लॉन्च वीइकल से लॉन्च किया गया था। प्रसिद्ध भारतीय खगोलशास्त्री के नाम पर इसका नाम आर्यभट्ट रखा गया। इसे क्रफ्ढ ने बनाया था और सोवियत संघ ने लॉन्च किया था।चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। चंद्रयान 3 ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सुरक्षित लैंडिंग की। इसके बाद देश में लोग खुशी से झूम उठे। इसरो का कंट्रोल सेंटर तालियों से गूंज उठा। इस मौके पर इसरो चीफ के चेहरे की खुशी देखते ही बन रही थी। चंद्रयान-3 की सेफ लैंडिंग पर इसरो चीफ ने साइंटिस्टो, प्रोजेक्ट डायरेक्ट और मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों को बधाई दी। चंद्रयान की सेफ लैंडिंग के बाद मिशन के प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों ने अपने अनुभव शेयर किए। चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद पीएम मोदी ने सोमनाथ को फोन किया था। इसरो चीफ ने इस बात की जानकारी दी। इसरो चीफ ने कहा कि देशवासियों को बधाई दी। सोमनाथ ने कहा कि हमनें चंद्रयान-1 से सफर शुरू किया था। यह अब चंद्रयान-3 तक पहुंच चुका है। उन्होंने सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इसरो चीफ ने अपने टीम को पहले बोलने का मौका दिया। मिशन चंद्रयान से जुड़े साइंटिस्ट जब इस बारे में बोल रहे थे तब सोमनाथ पीछे खड़े मुस्कुरा रहे थे। सभी जानते हैं कि भारत के चंद्रयान-3 मिशन के कुछ समय बाद शुरू किया गया लूना-25 मिशन, जो रूस के द्वारा शुरू किया गया था, वह तकनीकी खामियों के चलते असफल हो चुका था. भारत का भी पिछला चंद्रयान -2 मिशन असफल हो चुका है, इसलिए इस बार हर भारतवासी यही शुभ कामना कर रहा था कि चंद्रयान 3 अपने मिशन में कामयाब हो और सॉफ्ट लैंडिंग करके चंद्रमा की सतह पर भारत का परचम लहराए.

ज्योतिष के अनुसार देखें तो स्पष्ट रूप से एक बात कही जा सकती थी कि चंद्रयान के चंद्रमा की सतह पर उतरने में कुछ परेशानियां सामने आने वाली हैं और यह मिशन अत्यंत जटिल और कठिन परिस्थितियों से होकर गुजरने वाला था. विशेष रूप से लैंडिंग से पूर्व का समय बहुत ज्यादा परेशानीजनक होना था लेकिन सूर्य और बुध का जो बुधादित्य योग है, वह भारतीय वैज्ञानिकों की तकनीकी सूझबूझ, कर्मठता और कार्य कुशलता की बदौलत इस कठिन समय में से भी एक चुनौती के रूप में इस स्थिति को संभालते हुए चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 को उतारने में सफल हो सके. वैसे भी प्रत्येक भारतवासी यही चाहता है.

यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए इसरो को बधाई दी है.

नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने एक ट्वीट में कहा, "चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के लिए इसरो को बधाई. चांद पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिग करनेवाला चौथा देश बनने के लिए भारत को बधाई. इस मिशन में आपका सहयोगी बनकर हमें बेहद खुशी है."

नासा की ये प्रतिक्रिया इसरो के एक ट्वीट पर आई है.

इसरो की इस सफलता पर यरोपीयन स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने भी बधाई दी है.

ईएसए के प्रमुख जोजफ एशबाकर ने कहा, "अद्भुत, इसरो और भारत के सभी लोगों को बधाई. नई तकनीक को प्रदर्शित करने का शानदार तरीका और चांद पर भारत की सॉफ्ट लैंडिंग. शानदार, मैं बहुत प्रभावित हूं."

उन्होंने इस मौके पर इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए ईएसए ऑपरेशंस को भी बधाई दी और कहा कि एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक शक्तिशाली साझेदार होता है.चंद्रयान-3 के मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग का प्रदर्शन करना, चंद्रमा पर रोवर के चलने का प्रदर्शन करना और इन-सीटू यानि चाँद की सतह पर ही वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना है। मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, लैंडर में कई उन्नत प्रौद्योगिकियाँ मौजूद हैं जैसे कि लेजर और आरएफ-आधारित अल्टीमीटर, वेलोसीमीटर, प्रोपल्शन सिस्टम, आदि। ऐसी उन्नत तकनीकों को पृथ्वी की स्थितियों में सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने के लिए, कई लैंडर विशेष परीक्षण, जैसे इंटीग्रेटेड कोल्ड टेस्ट, इंटीग्रेटेड हॉट टेस्ट और लैंडर लेग मैकेनिज्म प्रदर्शन परीक्षण की योजना बनाई गई है और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।चंद्रयान-3 के माध्यम से, भारत का लक्ष्य अपनी तकनीकी कौशल, वैज्ञानिक क्षमताओं और अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। यदि चंद्रयान-3 सफल होता है, तो यह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह मिशन युवा पीढ़ी को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

भारत की युवा पीढ़ी जो वेद और विज्ञान की तकनीक तकनीकी से परिपूर्ण होकर सुसज्जित है उसे यह मालूम है कि अब उसका अगला लक्ष्य सूर्य और शुक्र ग्रहों पर है जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने कल अपने स्वागत अभिनंदन वाले भाषण में यह उद्घोषणा की अब हमारा अगला मिशन सूर्य पर होगा। यह भारत के बुलंद हौसलों की उड़ान है जिसे पूरी दुनिया अपने नंगी आंखों से सजते संवारते हुए देख रही है आने वाले मिशन में इसरो का गगनयान है जिसको भारतीय स्पेस एजेंसी ने प्रमुखता से लिया है और इसे सफल बनाने की कार्य योजना पूरे जोरों शोरों पर है ताकि अंतरिक्ष में भारत के दमखम को और एक सीधी मिले। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता अकल्पनीय है जो कम से कम बजट में बड़े से बड़े मिशन को अंजाम तक पहुंचाने में सक्षम है शायद इसी का नतीजा है की दुनिया के बहुत से विकसित देश आज भारत से आस लगाकर इस उम्मीद में बैठे हैं कि शायद भारत के सहारे ही उनका भी स्पेस रिसर्च आगेनाईजेशन फूले फले। अभिनंदन की इस सो फनी घड़ी में हर भारतीय वैज्ञानिक को प्रणाम क्योंकि उन्हें की वजह से आज राष्ट्र गौरवान्वित हुआ है।

आलोक प्रताप सिंह
लेखक एवं चिंतक।

चंद्रयान –3 : भारत की एक और छलांग

सुरेश हिन्दुस्थानी

आज याद आ रही है, उस भारत देश की, जो वैश्विक नेतृत्व का अधिकारी रहा। एक बार पुनः भारत ने उसी दिशा की ओर अपने कदम बढ़ाए हैं, जो विश्व का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। आज समूचे विश्व ने उस भारत का साक्षात्कार किया है, जो जगत की समस्त शक्तियों का भंडार है। भारत में अवधारणाएं प्रचिलित हैं, वह मिथक नहीं, वास्तविक हैं, लेकिन भारत अपनी शक्ति को विस्मृत कर चुका था, उस हनुमान की तरह जो महा बलशाली होने के बाद भी उन्हें अपनी शक्ति का अहसास नहीं था। आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जामवंत की भूमिका का निर्वाह करते हुए भारत की सोई हुई शक्ति को जगाने का कार्य करते दिखाई दे रहे हैं। बेशक वे भाजपा के नेता हैं, लेकिन हमें ऐसी दृष्टि विकसित करनी होगी, जो भारत के हित में है। यानी वह भारत देश का नेतृत्व कर रहे। वे देश के 140 करोड़ जनता के लोकतांत्रिक मुखिया हैं। जब हम यह दृष्टि विकसित करेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें नरेंद्र मोदी में एक ऐसा सपूत दिखाई देगा, जिसकी भारत को जरूरत है।

भारत ने चांद पर कदम रखते ही अपना नाम उस कतार में शामिल कर लिया, जो वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर जाता है। चंद्रयान तीन की खास उपलब्धि यह है कि भारत ने यह यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजा है, जहां आज तक विश्व का कोई देश नहीं पहुंच सका है। इसका आशय यही है कि भारत मे वह शक्ति है, जो विश्व को आश्चर्यचकित कर सकती है। चंद्रमा पर भारत के तिरंगा लहराने के साथ ही आज वर्षों पूर्व का यह भ्रम भी टूट गया है, जिसमें कहा जाता था कि भारत ऐसा नहीं कर सकता। हालांकि भारतीय जनमानस में इस प्रकार धारणा स्थापित करने के लिए एक सुनियोजित नरेटिव स्थापित किया गया। इसके कारण भारत की जनता के मानस में यह पूरी तरह से स्थापित हो गया था कि हम बहुत पीछे हैं, जबकि यह सत्य नहीं था। हमें एक वैश्विक योजना के तहत पीछे करने का षड्यंत्र किया गया। यह षड्यंत्र आज भी चल रहा है। इसलिए कुछ लोग विदेशी शिक्षा को भारत की शिक्षा से बेहतर बताने का कुत्सित प्रयास करते है, जबकि यह सत्य नहीं है। पुरातन और श्रेष्ठ भारत की कल्पना का अध्ययन किया जाए तो हमारे शास्त्र इस बात को परिभाषित करने में पूरी तरह से सक्षम हैं कि हमारा भारत ज्ञान और विज्ञान के मामले में अन्य देशों से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। इस प्रकार यही कहा जा सकता है कि जहां विश्व का ज्ञान और विज्ञान समाप्त हो जाता है, वहां से भारत का ज्ञान और विज्ञान का प्रारंभ होता है। कौन नहीं जानता कि भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षा संस्थान थे, लेकिन गुलामी के काल खंड में इन शिक्षा केंद्रों को नष्ट कर दिया। इसके बाद भी भारत के पास ज्ञान और विज्ञान की कोई कमी नहीं रही, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। आज हम चांद पर पहुंचे हैं, जो भारत की शक्ति का प्रस्फुटन है। अब विश्व के सभी देश यह स्वीकार करने की ओर विवश हुए हैं कि भारत एक बड़ी महाशक्ति है। अब भारत को इस महाशक्ति का ज्ञान हो चुका है। भारत अपनी निद्रा से बाहर आ चुका है। अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे का भारत और भी ज्यादा अपने सामर्थ्य का प्रदर्शन करेगा।

हमारे देश के वैज्ञानिकों विश्व को कई बार इस बात का अहसास कराया है कि हम किसी भी मामले में कम नहीं है। आज का भारत उन सभी चीजों का निर्माण करने में सक्षम है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। चाहे वह कम्प्यूटर का मामला हो या फिर रेल की बात हो।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने डा. युधिष्ठिर तिवारी का किया गुरु वंदन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद इकाई गाजीपुर द्वारा गुरु बंधन कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभागार गाजीपुर मे किया गया, जिसमें गुरु स्वरूप आदरणीय डॉक्टर युधिष्ठिर तिवारी का गुरु वंदन कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम की शुरूआत माधव कृष्ण के बौद्धिक से शुभारंभ किया गया बौद्धिक में माधव कृष्ण द्वारा कहां गया तू बहुत हर्ष की बात है कि जो गुर्जन हम लोगों को शिक्षा दीक्षा दिए उनका पूजन करने का अवसर प्रदान किया गया,और उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विवेकानंद जैसे महान विभूति की जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला और शिक्षक समाज से अपील किया कि आज जरूरत है हम उनके मार्गदर्शन का अनुपालन करें और समाज को नई दिशा दें शिक्षक के पास ही हर अभिभावक अपने बच्चों को भेजते हैं, सिर्फ शिक्षा लेने के लिए और हम शिक्षक का दायित्व बनता है, कि बिना भेदभाव के हर एक बालक को शिक्षा देने के शिवा और कुछ नहीं रहता, आज हम जिस मुकाम पर पहुंचे हैं चाहे जितने सभा में यहां

शिक्षक बैठे हैं वह किसी शिक्षक का ही अच्छा दिया हुआ आज समाज के लिए काम आ रहा है डा0 राघवेंद्र पांडे प्राचार्य पीजी कॉलेज द्वारा अपने उद्बोधन में संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक को ही ईश्वर से ऊपर माना गया है हम शिक्षक का दायित्व बनता है कि उन्हें अच्छी शिक्षा दें कि वह देश के प्रति ईमानदारी से कार्य करें, आदरणीय डॉक्टर हरिहर प्रसाद सिंह ,पूर्व आचार्य पीजी कॉलेज सभा में उपस्थित सभी शिक्षकों व कर्मचारियों को आशीर्वाद दे और उनसे अपील किया गया अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्माण करें विमल कुमार निर्मल हरिश्चंद्र डिग्री कॉलेज वाराणसी द्वारा राष्ट्र निर्माण में जितने भी महान विभूतियों ने देश की प्रति परिकल्पना की थी किया था उससे कहीं ज्यादा हमारा देश आगे प्रगति के रास्ते पर बढ़ रहा है, राजू कुशवाहा पूर्व प्रांतीय मंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, द्वारा कहा गया शिक्षक एक शिल्पकार है और शिल्पकार या जानता है की कौन सी धारा कितना सुंदर बनाया जा सकता है राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जिलाध्यक्ष आदरणीय दुर्गेश श्रीवास्तव द्वारा गुरु बंधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए का हमें संगठन पर अपना विश्वास करना होगा की जो राष्ट्रहित में आवश्यक आवश्यकता है,उसे जरूर पूरा कराएगी और वह दिन दूर नहीं हम कर्मचारी शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाल होकर रहेगी,संगठन कभी भी व्यक्तिगत लाभ के बारे में नहीं सोचता है,और हमारी पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा राष्ट्र का मुद्दा है, जिसे बहाल होना अति आवश्यक है, कार्यक्रम में अवकाश प्राप्त अध्यापक जनों का गुरु बंधन कार्यक्रम के तहत माल्यार्पण अंग वस्त्रम एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में जनपद गाजीपुर इकाई से समस्त ब्लॉकों से हमारे अध्यापक गण ब्लाक कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारी जिला अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह, मंत्री प्रदीप सिंह, मंत्री रामाशीष, कोषाध्यक्ष इंदु शेखर मौर्य, जिला उपाध्यक्ष अनिल, जिला उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश, आलोक राय ओंकारनाथ पांडे, अभय सिंह, रोशन लाल, जयप्रकाश, विनोद कुमार, आयुष, कृष्णकांत, सह संगठन मंत्री अवधेश सिंह, राम नक्षत्र, संजय, उपेंद्र, धर्मराज, शैलेंद्र दुबे, अमरीश, अरुण राय, हिमांशु, अभय, परमिंदर, चंद्रकांत, प्रफुल्ल राय, मातृशक्ति के रूप में राम त्रिपाठी, शालिनी, शबनम अख्तर, एवं सभी ब्लॉकों से गणमान्य अध्यापक गढ़ उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन राम प्रवेश एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता लहजू कुशवाहा द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ चिरईगांव ने जताया विरोध

प्रखर वाराणसी। एक आपात बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र आशापुर पर बुलाई गई। जिसमें विभाग द्वारा दिए जा रहे अव्यवहारिक आदेशों के प्रति बेहद आक्रोश व्यक्त किया गया। एक आदेश के मुताबिक 1 से 15 सितंबर के बीच स्वच्छता पखवाड़ा मनाने को कहा गया है। इस स्वच्छता पखवाड़ा में 6 सितंबर को जन्माष्टमी का अवकाश पहले से घोषित है और अब नए आदेश में शिक्षक उस दिन ग्रीन स्कूल मुहिम को चलाएंगे जबकि 7 सितंबर को चेहल्लुम का अवकाश घोषित है उस दिन शिक्षक स्वच्छता प्रतिभाग दिवस के रूप में मनाएंगे। इसी आदेश के क्रम में दो रविवारों की भी छुट्टी गोल कर दी गई है पहला रविवार 3 सितंबर को है जिसमें विद्यालय खोलकर स्वच्छता जागरूकता दिवस मनाना है। दूसरा 10 सितंबर को है उस दिन शिक्षक विद्यालय में हैंड वॉश डे मनाएंगे। 5 सितंबर को ,शिक्षिकाओं के लिए ललही छठ का विशेष अवकाश है उस दिन भी विद्यालय खोल दिया गया है,जो पूरी तरह से अव्यावहारिक है। इन आदेशों के मुताबिक शिक्षक अब बंधुवा मजदूर बनकर रह गया है जिसके लिए ना तो कोई रविवार है और ना ही कोई त्योहार है। आज की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश सिंह शर्मा जी से संपर्क स्थापित कर इस संबंध में महानिदेशक महोदय के पास आपत्ति दर्ज करते हुए आदेश को निरस्त कराया जाए या इसके बदले में प्रतिकार अवकाश की घोषणा की जाए।

52 ईटीएम व क्रेडिट कार्ड, 5 हजार नगद तथा बाइक संग दो साईबर अपराधी गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के निकट पर्यवेक्षण में शुक्रवार को कोतवाली गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा खोवामण्डी चौराहे पर स्थित ईटीएम थाना कोतवाली, गाजीपुर के पास से ए0टी0एम0/क्रेडिट कार्ड चोरों के गिरोह का भंड़ाफोड़ करते हुए 02 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से 52 अदद एटीएम/क्रेडिट कार्ड व अन्य कार्ड, 5000 रुपय नगद तथा 01 अदद मोटर साइकिल बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गयी। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्द नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों से पूछताछ करने पर बताया गया कि साहब हम दोनो लोग तथा हमारा एक साथी जिसका नाम दिलीप गुप्ता पुत्र लल्लू गुप्ता निवासी संजय नगर कालोनी पहडिया थाना कैण्ट जनपद वाराणसी, आपस में मिलकर ईटीएम के बाहर खडे रहते है, जो लोग ईटीएम कार्ड से पैसा नही निकाल पाते है, या उन्हे ईटीएम कम चलाना आता है, हम लोग उनकी मदद करने के बहाने उनका ईटीएम पिन जानकर, धोखे से ईटीएम बदल कर अपने पास रखे ईटीएम उन्हे देकर हट बढ जाते है, तथा उनके असली ईटीएम कार्ड से पैसा निकाल लेते है, लोगों का जब पैसा कट जाता है तो वह तुरन्त अपना ईटी एम ब्लाक करा देते है।

स्कूली छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा न करने एवं नशे के दुष्प्रभावों के लिए लोगों को किया जागरूक

प्रखर रामनगर वाराणसी। राधा किशोरी रा. बा. ई. कालेज, रामनगर वाराणसी (एस.पी.सी) एवं कर्तव्य फाउंडेशन व काशियाना फाउन्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में नशामुक्ति अभियान चलाया गया। नशा मुक्ति अभियान रैली को विद्यालय की प्रधानाचार्या श्री मति गीता सिंह जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी छात्राएं नशामुक्ति के नारा लगाते हुए रामनगर दुर्ग के समीप नुक्कड़ नाटक करके मादक पदार्थ के सेवन से होने वाले दुर्घटना एवम दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया और सभी छात्राएं शास्त्री चौक होते हुए नगर में लोगो को नशामुक्ति के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रधानाचार्या ने बोला की नशा से कई परिवार बर्बाद हो गए और कितने एक्सीडेंट नशे की वजह से होते है,नागरिक स्वतःचेते और नशा न करे,नशा करना ही है तो देश और समाज का विकास कैसे हो उसका नशा करे, समाज को नुकसान पहुंचाने वाला नशा नही करना चाहिए।जिस प्रकार से कर्तव्य फाउंडेशन के सभी युवा सदस्य समाज के लोगो को जागरूक कर रहे ऐसा नशा होना चाहिए, हम इस

अभियान से जुड़े संस्था एवम एस. पी. सी. केडेट्स को शुभकामनाएं देते है।कर्तव्य फाउंडेशन के अध्यक्ष धनंजय यादव ने कहा कि नशामुक्ति अभियान का प्रेरणा हमारे सीनियर सुमित सिंह जी से मिला है। जिस प्रकार से तंबाकू शराब,और अन्य नशे की लत युवाओं को लग रही है वो बहुत ही भयावह स्थिति है क्योंकि आज का युवा ही कल का भविष्य है और अगर हमारे देश के युवा ऐसे ही नशे में लिप्त रहेगा तो हमारा भारत देश विश्वगुरु कैसे बनेगा इस लिए हम सभी युवा साथी सभी युवाओं को जागरूक करने का संकल्प लिए है और सभी को नशा न करने की अपील करते है, हमारे देश के युवाओं में बहुत क्षमता है। आज हम चांद पर पहुंच गए है और जब देश का युवा नशे से दूर रहे तो निश्चित ही भारत देश विश्वगुरु बनेगा। नशामुक्ति अभियान का संचालन एस पी सी केडेट्स नोडल श्रीमती यादव कुमारी पूनम केदारनाथ एवं एस पी सी सहायक श्रीमती सरिता यादव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के सदस्य अर्जुन शर्मा योगी,रोहित मिश्रा,राम जायसवाल,अक्षय त्रिपाठी, जुलुम सिंह,अजय प्रताप सिंह एवम अन्य लोग मौजूद रहे।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चंद्रयान की सफलता से उत्साहित होकर निकाला पैदल मार्च प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। चंद्रयान 3 की सफलता से उत्साहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा के नेतृत्व में बिरला चौक से चंडी चौराहे तक शंखनाद करते हुए घंटे- घड़ियाल बजाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए पैदल मार्च निकालकर संयुक्त रूप से चंद्रयान टीम के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामना देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया` इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चंद्रयान की सफलता का श्रेय केंद्र की भाजपा सरकार को जाता है जिस प्रकार से चंद्रयान का संचालन करने वाली टीम का उत्साह वर्धन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाता रहा है आज भारत देश का नाम एक बार फिर विश्व में एक बहुत बड़ी उपलब्धि के साथ हुआ है` संजय चोपड़ा ने कहा देश का तिरंगा चांद आसमान पर स्थापित किए जाने से प्रत्येक भारतीय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है आज सामाजिक संगठनों की और से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार

चंद्रयान वैज्ञानिक टीम को शुभकामना देते हुए आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है` केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के पूर्व सदस्य आलोक मिश्रा ने कहा चंद्रयान की सफलता से आने वाले दिनों में देश की तकनीकी रूप से और विकास करेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया देश दुनिया में चंद्रयान की सफलता से देश को एक और नई पहचान के साथ आगे बढ़ाया है` चंद्रयान की सफलता से उत्साहित पैदल मार्च निकालकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में लघु व्यापारी नेता मनोज कुमार मंडल, विक्रम यूनियन महासंघ के प्रवक्ता आदेश पंडित, चौकीदार संगठन के मानसिंह, मोहनलाल, उत्तराखंड विकास मंच के पंडित मनीष शर्मा, टेंपो यूनियन के वीरेंद्र पुरी, अनिल पुरी, श्रमिक कल्याण परिषद के कुमार सिंह मंडवाल, चंदन सिंह रावत, सचिन राजपूत, अनु कश्यप, जय सिंह बिष्ट, जोगेंद्र सिंह, अतुल कुमार, जयदीप, ललित, गौरव चौहान, प्रकाश सिंह, राजकुमार, अशोक शर्मा, नईम सलमानी, सोनू, ओम प्रकाश कालियन आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

धोखाधड़ी कर ब्रांडेड कंपनी का नकली तेल बनाने के मामले में मिली जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली रेपर लगाकर खाद्य पदार्थों को खुले बाजार में बेचने के मामले में आरोपित को जमानत मिल गई। प्रभारी जिला जज संजीव कुमार सिन्हा की अदालत ने हुकुलगंज, पांडेयपुर निवासी रतन जायसवाल को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव व पंकज यादव ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी अश्वनी कुमार चतुर्वेदी 8 अप्रैल 2023 को गश्त करते हुए हरतीरथ चौराहे पर पहुंचे तो उन्हें मुखबिर से सूचना मिली की कतुआपुरा में स्थित एक मकान में भारी मात्रा में विभिन्न कम्पनियों के खाद्य पदार्थ, नकली सोयाबीन आयल की लेबनिंग, पैकेजिंग एवं मिलावट कर व्यापक पैमाने पर तैयार कर ब्राण्डेड कम्पनी नाम पर खुले बाजार में बेचा जा रहा है इस पर उन्होंने पुलिस टीम के साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी अविनाश कुमार सिंह व उनकी टीम को साथ लेकर उक्त मकान की घेराबंदी कर अन्दर पहुंचे तो मकान के अन्दर कई लोग किरायेदार के रूप में मौजूद थे वहीं एक कमरे में कुछ लोग टीन के डिब्बे में ऊपर से कंपनियों के लेबल व कि दूसरे डिब्बे में आयल मिलाते हुए देखे गए। इस बीच वह लोग पुलिस को देखते ही भागने लगे, लेकिन पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को धरदबोचा पूछताछ में उसने अपना नाम मनीष कुमार गुप्ता बताया` पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने बताया कि उसका सगा भाई दिलीप कुमार गुप्ता, मोहित जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल उर्फ पुतुल जायसवाल व रतन जायसवाल के साथ मिलकर विभिन्न कम्पनियों के कूटरचित रैपर, ढक्कन व गत्तों को इस्तेमाल कर रिफाइन्ड तेल मिलावट कर उन्हें खाली टिन के डिब्बे में भरकर अलग-अलग कम्पनियों के कूटरचित रैपर लगाकर फर्जी मोहर बनाकर असली ब्राण्डेड कम्पनी के नाम खुले बाजार में भारी मुनाफा पर बेचते है` उसकी निशानदेही पर विभिन्न कमरों से 24 अदद गत्तों का कार्टून व दस अदद बोरी में प्लास्टिक के ढक्कन व एक अदद बोरी में लोहे की पैकिंग ढक्कन, हिमानी बेस्ट च्वाइस का फार्चून सोया हेल्थ रिफाइन सोयाबीन आयल के प्लास्टिक के रैपर 7 कार्टून व बोरी में व सलोनी कच्ची घानी सरसों का तेल लिखा हुआ गत्तानुमा रैपर 110 बंडल, पैकिंग एगस्टिक 5 बण्डल टीना विभिन्न कम्पनियों के रैपर लगे हुए कुल 130 अदद,तलाशी में मौके से 15 किग्रा के 70 टीना भरा हुआ आयल, 50 टीना विभिन्न कम्पनी के रैपर लगे हुए तथा फार्चून बेस्ट च्वाइस के करीब 150 रैपर 500 टन प्लास्टिक के 50 ढक्कन, लोहे के पेट्रोमेक्स, प्रेस, हथौड़ी, संडसी, रेती आदि सामान बरामद हुआ जिसके बाद अडानी विलमर लिमिटेड कम्पनी के अधिकृत प्रतिनिधि रिशु मिश्रा को दूरभाष से मौके पर बुलाया गया जिनके द्वारा बरामदशुदा अपने कम्पनी के रैपर को देखकर बताया गया कि यह कम्पनी का कूटरचित ढक्कन व रैपर है जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में मनीष कुमार गुप्ता के साथ ही दिलीप कुमार गुप्ता, मोहित जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल उर्फ पुतुल जायसवाल व रतन जायसवाल के खिलाफ धोखाधड़ी, ट्रेडमार्क एक्ट व कॉपी राइट एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

वाराणसी में चौथी जी-20 संस्कृति कार्य समूह सीडब्ल्यूजी की बैठक में मसौदा घोषणा पर चर्चा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत की अध्यक्षता में जी-20 संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की चौथी बैठक में जी-20 सदस्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मसौदा घोषणा पर चर्चा वाराणसी में शुरू हुई संस्कृति मंत्रालय के सचिव और जी 20 सीडब्ल्यूजी के अध्यक्ष गोविंद मोहन ने स्वागत भाषण में कहा यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि संस्कृति विकास के लिए नए, अधिक समावेशी दृष्टिकोण को मजबूत करेगी साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में हमारे संपूर्ण दृष्टिकोण को भी नया आकार देगी और इस प्रकार यह मूल जी-20 जनादेश को भी दशार्ती है` सचिव ने यह कहकर संस्कृति की एकजुट शक्ति पर प्रकाश डाला कि संस्कृति का सार्वभौमिक कैनवास साझा मानव यात्रा का प्रतीक है जो वैश्विक मित्रता की हमारी भावना को मजबूत करता है जी-20 सीडब्ल्यूजी के अध्यक्ष ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा हासिल की गई असाधारण उपलब्धि की भी सराहना की जो अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती शक्ति को रेखांकित करता है जी-20 सदस्यों ने चंद्रमा पर सफल मिशन के लिए भारत को बधाई भी दी` स्वागत भाषण के बाद, संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव और जी-20 सीडब्ल्यूजी की सह - अध्यक्ष लिली पाण्डेय ने खजुराहो में पहली बैठक के बाद से सीडब्ल्यूजी की प्रक्रिया की संक्षिप्त जानकारी के साथ इंट्रोडक्ट्री रीमार्क दिया` पहली दो संस्कृति कार्य समूह की बैठकों ने सीडब्ल्यूजी को सदस्यता में कामकाजी गतिशीलता बनाने में सक्षम बनाया है जो वैश्विक विषयगत वेबिनार के परिणामों से समृद्ध हुआ था। हम्पी में तीसरा संस्कृति कार्य समूह एक महत्वपूर्ण क्षण था जिसने सीडब्ल्यूजी के कार्य पथ को आकार दिया और सामूहिक कार्रवाई और कामकाजी दस्तावेजों को आकार देने की प्रतिबद्धता को

मजबूत किया` उद्घाटन सत्र के बाद 26 अगस्त 2023 को आगामी संस्कृति मंत्रियों की बैठक के लिए संस्कृति मंत्रियों की घोषणा के मसौदे पर चर्चा में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के साथ कामकाजी सत्र शुरू हुआ जैसा कि भारत जी-20 लीडर्स के शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहा है वह सर्वसम्मति से उन नतीजों को अपनाने की इच्छा रखता है जहां नीति निर्धारण में संस्कृति को केंद्र में रखा जाए ताकि व्यापार, पर्यटन और डिजिटल क्षेत्रों जैसे अन्य प्रमुख नीति क्षेत्रों के साथ इसके पारस्परिक संबंधों का लाभ उठाया जा सके दिनभर की चर्चा समाप्त होने के बाद प्रतिनिधियों ने वाराणसी में गंगा और वरुणा नदियों के संगम के पास सारनाथ का दौरा किया` बोधगया में ज्ञान प्राप्त करने के बाद यहीं पर भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था जिसे महा धर्मचक्र परिवर्तन के रूप में जाना जाता है` सारनाथ में स्थित सम्राट अशोक द्वारा स्थापित चमचमाता स्तंभ, लगभग 273-232 ईसा पूर्व बनाया गया था जो बौद्ध संघ की नींव का प्रतीक है` सारनाथ के पुरातात्विक स्थल का दौरा करने के बाद, प्रतिनिधियों ने सारनाथ संग्रहालय का भी दौरा किया जो सारनाथ में खुदाई स्थल के निकट स्थित है` प्रतिनिधियों ने भारत की समृद्ध संगीत परंपराओं वेव्स ऑफ म्यूजिक को प्रदर्शित करने वाले एक गहन सांस्कृतिक प्रदर्शन का भी अनुभव किया जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को रेखांकित करने वाली चार रोमांचक प्रस्तुतियाँ थीं` बैठक फिर से शुरू होगी जिसमें जी-20 सदस्यों,आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ 26 अगस्त 2023 को आगामी संस्कृति मंत्रियों की बैठक के लिए संस्कृति मंत्रियों की घोषणा के मसौदे पर चर्चा जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

शील कुमारी सपा की अधिकृत प्रत्याशी

प्रखर मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने राजगढ़ तृतीय के वार्ड नं0 26 के जिला पंचायत के उपचुनाव में शीलकुमारी पत्नी जग्गू कोल को सपा ने अधिकृत प्रत्याशी जिला पचांढषयत सदस्य का घोषित किया है। श्री चौधरी ने पार्टी के नेताओं एवं पदाधिकारियो तथा कार्यकताओं से कहा कि समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी शील कुमारी को विजयी बनावे। साथ ही साथ संगठन के लोगो से अनुरोध किया है कि डोर-टू-डोर जनसम्पर्क कर प्रत्याशी को जीताने के लिए लग जाय।

पुलिस अधीक्षक ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी, परेड का किया निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने शुक्रवार को साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड पर परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। साप्ताहिक परेड के दौरान पी0आर0वी0 112 वाहनों को चेक किया गया तथा उपकरणों के रख रखाव हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड के उपरान्त पुलिस लाइन में स्थित आवासीय परिसर, वर्दी स्टोर, बैरक, मेस, आर ओ प्लांट, स्टोर रूम, यातायात कार्यालय सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के उपरान्त अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यतन रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उक्त परेड के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन, क्षेत्राधिकारी लालगंज, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, यातायात उपनिरीक्षक तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

श्री नीलकंठ महादेव एवं श्री शिर्डी साई बाबा मंदिर का हरियाली एवं हिम श्रृंगार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण माह में मलदहिया स्थित श्री नीलकंठ महादेव एवं श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर का हरियाली एवं हिम श्रृंगार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया प्रातः काल बाबा का काकड़ आरती व पंचामत से स्नान कराया गया बाबा को मनमोहक फूलों से युक्त हार अर्पित किया गया तत्पश्चात बाबा का आरती की गई` पूरे मंदिर परिसर को हिमखण्डों, हरी पत्तियों, रुद्राक्ष की माला व विभिन्न सुगन्धित फूलो से सजाया गया शहनाई के मंगल ध्वनि के साथ पूरा पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा ` रात्रि 9 बजे पुनः महाआरती हुई व बाबा का प्रसाद भक्तों में वितरण किया गया देर रात तक मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रही। कार्यक्रम का आयोजन श्री रजनीश कनौजिया ने किया मुख्य रूप से डॉ दयाशंकर मिश्र दयाल जी, राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, अशोक तिवारी महापौर वाराणसी , प्रदीप अग्रहरि क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष भाजपा, महानगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा , अशोक जायसवाल, राम भजन अग्रहरि,लालजी अग्रहरि,कैलाश साहू, गुलशन कनौजिया ,आशीष कनौजिया,राहुल गुप्ता, पं. सत्यम शास्त्री, उज्जवल कनौजिया, आदित्य चौधरी आदि उपस्थित रहे।

काउंसलिंग के बाद डीफार्मा की सभी सीटें भरी

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फामेर्सी संस्थान की डी. फार्मा दो वर्षीय पाठ्यक्रम की काउंसलिंग शुक्रवार को इंजीनियरिंग संस्थान के विशेश्वरैया हाल में की गई। विभागाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने बताया कि डी फार्मा की सभी 66 सीट पर काउंसलिंग हो गई है। इस पाठ्यक्रम का काफी स्कोप होने के चलते काफी संख्या में विद्यार्थी आवेदन करते हैं। काउंसलिंग के बाद विद्यार्थियों ने ऑनलाइन फीस भी जमा कर दिया है। काउंसलिंग सुबह 10:00 बजे से शुरू की गई थी। काउंसलिंग में डॉ पूजा सक्सेना, डॉ आलोक दास, डॉ .झांसी मिश्रा, डॉ आशीष गुप्ता, डॉ. सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र को चेक विजय प्रकाश मौर्य किया। काउंसलिंग कराने लगभग 200 विद्यार्थी आए थे।

4 गोवंश व चार पहिया सहित गौ तस्कर खानपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों, वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में शुक्रवार को समय लगभग 3 बजे थाना खानपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिरी सूचना के आधार पर सौना तिराहा के पास से 04 राशि गोवंश व 01 अदद चार पहिया वाहन बरामद करते हुए 01 नफर अभियुक्त शाहिल अली उर्फ गोलू पुत्र जलालुद्दीन निवासी सौना थाना खानपुर को गिरफ्तार किया जबकि दो अभियुक्त मौके से भागने में सफल रहे जिसमे गुलशन पुत्र शिवबचन निवासी सौना तथा एक अज्ञात है, जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर धारा 307 भादवि व 3/5ए/5बी/8 गो0नि0अधि0 पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही। गिरफ्तारी करने वाली पुलीस टीम में उप निरीक्षक बलवंता मय हमराह थाना खानपुर जिला गाजीपुर शामिल रहे।

मुहम्मदाबाद पुलिस ने अपहरण से सम्बन्धित वाछिंत शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेशानुसार जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल पर्यवेक्षण में शुक्रवार को उप निरीक्षक सन्तोष कुमार यादव मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 363,366,120इ आईपीसी में वांछित चल रहा अभियुक्त राहुल कुमार उर्फ राहुल राय पुत्र राजिव कुमार उर्फ राजू राय निवासी ग्राम परसा थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर उम्र करीब 30 वर्ष को नवापुरा मोड़ के पास से समय करीब 8 बजे दिनांक 25 अगस्त 2023 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर, कांस्टेबल विकास मौर्या थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर, कांस्टेबल विकास पाण्डेय थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

सपा के नवमनोनित प्रदेश सचिव चंद्रिका यादव का हुआ भव्य स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को शहर मुख्यालय स्थित जिला पंचायत हाल में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के राज्य कार्यकारिणी के नवमनोनीत प्रदेश सचिव चन्द्रिका यादव जी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इस स्वागत समारोह की शुरूआत समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रजनीकांत यादव के स्वागत गीत प्रस्तुति से हुआ। इस स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने ने इस मनोनयन के लिए राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके मनोनयन से दल को मजबूती मिलेगी और संगठन धारदार होगा । उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार की संकीर्ण एवं साम्प्रदायिक सोच के चलते देश में आपसी भाईचारा, सौहार्द और देश की गंगा जमुनी तहजीब और सांझी विरासत की संस्कृति को नुक्सान पहुंचा है । उन्होंने कहा कि देश के संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समाजवाद की रक्षा तथा नफरत की सियासत को खत्म करने के लिए भाजपा सरकार का खात्मा जरूरी है ।

जम्मू कश्मीर: ट्रक खाई में गिरने से तीन की मौत

जम्मू, (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में ईंटों से लदे एक ट्रक के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई एवं एक घायल हो गया है। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि ईंटों से भरा एक ट्रक उधमपुर से बसंतगढ़ जा रहा था कि डुडू के मिआनी में चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिससे ट्रक गहरी खाई में गिर गया और तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई एवं एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को उधमपुर के लाटी में प्राथमिक सेवा केन्द्र पर भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, उधमपुर विनोद कुमार ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया में एक टन से अधिक भांग जब्त

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया प्रांतीय पुलिस ने एक टन से अधिक भांग जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32.40 लाख डॉलर) है। विक्टोरिया पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने प्रांत में पांच आवासीय स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान, लगभग दो लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 1.30 लाख डॉलर) नकद और 745 से अधिक भांग के पौधे बरामद किए। इससे पहले, बुधवार को चलाए गए अभियान में भांग के 180 पौधे जब्त किए गए थे। सिडिकेट के सरगना पर भांग की खेती और तस्करी करने तथा अपराध की आय रखने का आरोप था।

चीन: सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन के शांक्सी प्रांत में एक एक्सप्रेस वे सुरंग में हुई दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है।स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना शाम पांच बजकर 24 मिनट पर हुई जब बुधवार को 32 लोगों को ले जा रहा एक वाहन कैंगझोउ-युलिन एक्सप्रेसवे पर फेन्घुआंगलिंग सुरंग की दीवार से टकरा गया। स्थानीय यातायात पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में चालक और चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भेजा गया है। दुर्घटना की जांच की जा रही है।

यमन: बारूदी सुरंग में विस्फोट से दो की मौत

सना, (एजेंसी)। यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह में बुधवार को एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई। यमन के मानवाधिकार मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। दक्षिणी जिले अल-दुरैहिमी के अल-हयेत क्षेत्र में एक सड़क के किनारे जब दो नागरिक बारूदी सुरंग के ऊपर से गुजर रहे थे तो उसमें विस्फोट हो गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय चिकित्सकों के अनुसार, बुधवार को एक अन्य दुर्घटना में, उत्तरपूर्वी प्रांत मारिब के राघवन जिले में एक खेत से बारूदी सुरंग को हटाने की प्रक्रिया के दौरान हुए विस्फोट में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यमन के खनन विशेषज्ञों ने कहा कि 2014 के अंत में गृह युद्ध शुरू होने के बाद से 10 लाख से अधिक बारूदी सुरंगें बिछाई गई थीं।

लेबनान: हेलीकॉप्टर हादसे में दो जवानों की हुई मौत

बेरूत, (एजेंसी)। लेबनानी वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर बुधवार शाम बेरूत से लगभग 26 किलोमीटर पूर्व में मध्य लेबनान के एक कस्बे हम्माना में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सेना के दो जवानों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। स्थानीय टीवी चैनल एलबीसीआई ने यह जानकारी दी। एलबीसीआई ने कहा कि प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारण अभी भी अज्ञात है।

आज का इतिहास

- 1351: सुल्तान फिरोजशाह तुगलक तृतीय की ताजपोशी
- 1916: टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
- 1940: लिथुआनिया, लातविया और एस्तोनिया सोवियत संघ में शामिल हुए।
- 1951: भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता।
- 1963: सोवियत संघ के नेता जोसेफ स्टालिन के सोलह विरोधियों को फाँसी पर चढ़ा दिया गया।
- 1977: सर एडमंड हिलेरी का सागर से हिमालय अभियान हल्दिया बंदरगाह से शुरू।
- 1980: जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
- 1991: बेलारूस सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना।
- 1994: भारतीय महिला पहलवान दिनेश फोगाट का जन्म।

कुल्लू में हुईं 30 सेकंड में सात इमारतें धराशायी

पिछले 24 घंटे में 12 लोगों की मौत

शिमला/ देहरादून/ लखनऊ (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में गुरुवार सुबह 30 सेकंड में ही एक साथ सात इमारतें गिर गईं। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। प्रशासन ने इन इमारतों को तीन दिन पहले ही खाली करवा लिया था। आसपास की 2-3 इमारतों पर अभी भी खतरा बना हुआ है। यहां लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। राज्य में पिछले 24 घंटे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 7 मौतें मंडी और शिमला में लैंडस्लाइड की वजह से हुईं। इसके अलावा कई घर टूट गए और 400 सड़कें ब्लॉक हो गई हैं। भारी बारिश के चलते कुल्लू-मनाली हाईवे भी बंद कर दिया गया।

मौसम विभाग ने पूरे राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश होने का रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल के 3 जिलों- शिमला, मंडी और सोलन में आज सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।मौसम विभाग ने गुरुवार को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड समेत 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 6 राज्यों में मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लू में सबसे पहले एक बिल्डिंग गिरी। इसके कुछ ही सेकेंड्स के अंदर बाकी बिल्डिंग्स भी ढह गईं। उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। पूरे राज्य में 4.5 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान से 3 मीटर ऊपर बह रहा है। इससे 11 गांवों में गंगा का पानी घुस गया। उत्तर प्रदेश के बलिया में बुधवार को एक मकान घाघरा नदी में समा गया। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर।

श्रीनगर में स्मार्ट बस दौड़ने के लिए तैयार...

श्रीनगर में चलने वाली बसें में निशुल्क वाईफाई सुविधा, सीसीटीवी और महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित होंगी। इसमें गर्मी के बीच एसी और सर्दी के लिए हीटर लगाए गए हैं। स्मार्ट सिटी में अब स्मार्ट बस दौड़ती नजर आएगी। श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड (एसएससीएल) द्वारा इसकी ट्रायल रन इस सप्ताह की जाएगी। करीब 100 बसें श्रीनगर में अक्टूबर तक सड़कों पर दौड़ेंगी।

सऊदी, यूएई समेत 6 देशों को संगठन का न्योता, मोदी बोले- इनसे हमारे ऐतिहासिक रिश्ते

मोदी और जिनपिंग मिले, फॉरेन सेक्रेटरी बोले दोनों नेता लद्दाख में तनाव कम करने सहमत

जोहान्सबर्ग, (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका में 15वीं ब्रिक्स समिट के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हाथ मिलाते नजर आए। दोनों नेताओं के बीच कुछ सेकेंड की बातचीत भी हुई। बाद में हमारे फॉरेन सेक्रेटरी विनय क्वात्रा ने कहा- मोदी और जिनपिंग इस बात पर सहमत हुए हैं कि लद्दाख में सैन्य तैनाती कम की जाएगी और तनाव कम किया जाएगा। इस बारे में बातचीत करने वाले दोनों देशों के अफसरों से इस प्रोसेस को तेज करने को कहा जाएगा।

फॉरेन सेक्रेटरी ने आगे कहा कि जिनपिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलओसी) के अनसुलझे मुद्दे को उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीमा पर शांति जरूरी है ताकि दोनों देशों के संबंध सामान्य रहें।

इससे पहले नवंबर 2022 में पीएम मोदी और जिनपिंग ने इंडोनेशिया में हुई जी20 समिट में सीमा विवाद पर बात की थी, जिसकी जानकारी इस साल दी गई थी।

साउथ अफ्रीका में 15वीं ब्रिक्स समिट के आखिरी दिन पीएम मोदी ने कहा- समय के साथ बदल जाना चाहिए

इस दौरान पीएम मोदी ने चीन के राष्ट्रपति से कई मुद्दों पर चर्चा की। जिन देशों को ब्रिक्स का न्योता मिला है, उन्हें पीएम मोदी ने बधाई दी। उन्होंने कहा- भारत ने ब्रिक्स में विस्तार का हमेशा समर्थन किया। इन सभी देशों से हमारे गहरे और ऐतिहासिक रिश्ते हैं। मुझे खुशी है कि 3 दिन की बैठक में कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पीएम मोदी ने पश्चिमी देशों के दबदबे वाले संगठनों का नाम लिए बगैर कहा कि ब्रिक्स का विस्तार ये जाहिर करता है कि दुनिया के बड़े संगठनों को समय के साथ बदलना चाहिए। वहीं, जो भी देश पहले फेज में इस संगठन से नहीं जुड़ पाए हैं, उनको इसकी सदस्यता दिलाने के लिए भारत अपना योगदान देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान, इथियोपिया के लीडर्स के साथ बाइलेट्रल मीटिंग भी की। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि ब्रिक्स के सभी देश बड़ी अहमियत रखते हैं। संगठन में नए सदस्यों का जुड़ना ऐतिहासिक है। ये ब्रिक्स के लिए नई शुरुआत है। हमारे इस संगठन का भविष्य उज्जवल है। मुझे पूरा भरोसा है कि जब तक हम एक मकसद से आगे बढ़ेंगे तो हम बेहतर काम कर पाएंगे।

संगठन की करेंसी पर अगले साल होगी सभी देशों से चर्चा

सिरिल रामाफोसा ने बताया है कि डॉलर को चुनौती देने के लिए संगठन की करेंसी पर सभी देशों के रिजर्व बैंक और फाइनेंस मिनिस्टर्स से बात करने को कहा गया। इस लेकर अगले साल बातचीत की जाएगी। संगठन के सदस्यों ने बातचीत के बाद विभिन्न मुद्दों को लेकर जोहान्सबर्ग डिक्लेरेशन एडॉप्ट किया है। हमने ब्रिक्स की स्थापना के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया है। हमने ग्लोबल साउथ की समस्याओं पर चर्चा की। दुनिया में चल रहे अलग-अलग संघर्षों पर बात की है। हम सभी संघर्षों का बातचीत से समाधान निकालने पर जोर देते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को चंद्रयान की प्रकाशित खबर पीएम मोदी ने दिखाई

चंद्रयान-3 पर ब्रिक्स में पीएम मोदी को मिली बधाईयां: इससे पहले चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद ब्रिक्स में डिनर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देने वाले नेताओं का तांता लग गया। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बड़ी गर्मजोशी के साथ मोदी को बधाई दी। ब्रिक्स का नया सदस्य बनने वाले सऊदी के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान अल सऊद ने भी पीएम मोदी से मिलकर खुशी जाहिर की।

देश की ही नहीं बल्कि मानवता की सफलता

मून मिशन पर हमें बधाइयां मिल रही है। इसे किसी एक देश की सफलता नहीं, बल्कि मानवता की सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। भारत के वैज्ञानिकों को पूरी दुनिया से बधाई मिल रही है। चंद्रयान-3 की साउथ पोल पर लैंडिंग सिर्फ भारत नहीं बल्कि दुनिया के वैज्ञानिकों के लिए बड़ी सफलता है। आतंकवाद से लड़ाई में हम अफ्रीकी देशों के साथ है, कोविड में हमने अफ्रीकी देशों को वैक्सीन और खाद्य पदार्थ दिए। भारत दुनिया के सभी देशों को परिवार के रूप में देखता है। जब हम ग्लोबल साउथ का प्रयोग करते है तो ये केवल डिप्लोमेटिक शब्द है। हमने भेदभाव का मिलकर विरोध किया है। गांधी ने साउथ अफ्रीका में ही अश्वेतों के लिए आवाज उठाई। उन्होंने नेल्सन मंडेला को प्रेरित किया। भारत ने अफ्रीका के साथ संबंधों को प्राथमिकता दी है। 16 नए दूतावास खोले है। चौथा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। एजेंडा-2063 के तहत अफ्रीका को दुनिया का ग्लोबल पावर हाउस बनाने में भारत साझेदार है।

आलिया का सीता का रोल करने से इंकार

Filmi तड़का

मुंबई। नितेश तिवारी की रामायण में साईं पल्लवी, आलिया भट्ट को रिप्लेस कर सकती हैं। आलिया की जगह वह माता सीता का किरदार निभा सकती हैं। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले दिनों खबर आई थी कि इस फिल्म के लिए नितेश तिवारी ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को कास्ट किया है। उन्होंने रणबीर कपूर को भगवान राम और आलिया भट्ट को माता सीता के किरदार के लिए साइन किया है। वहीं अब खबर आ रही है कि आलिया भट्टने इस फिल्म को करने से मना कर दिया है। इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि नितेश तिवारी ने आलिया को साउथ एक्ट्रेस के साथ रिप्लेस कर दिया है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने एक इंटरव्यू में बताया कि आलिया भट्ट ने डेट्स न होने की वजह से नितेश तिवारी की फिल्म करने से मना कर दिया है। ऐसे में नितेश तिवारी ने आलिया भट्ट की जगह साईं पल्लवी को कास्ट करने की योजना बनाई है। हालांकि, अभी तक कुछ भी कन्फर्म नहीं हुआ है।

रामायण में रिप्लेस होंगी पल्लवी

झगड़ा खत्म! कंगना से पैचअप करने वाले हैं करण, दिया हिंट

मुंबई। बॉलीवुड डायरेक्टर करण जौहर और एक्ट्रेस कंगना रनौत के आपस का झगड़ा किसी से छुपा नहीं है। अक्सर ही किसी ना किसी मौके पर कंगना करण पर तीखे बोल के बाण छोड़ती रहती हैं। दोनों के बीच अनबन लगी ही रहती है। लेकिन लगता है अब इस झगड़े का अंत होने वाला है। करण ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा कंगना की फिल्म इमरजेंसी को लेकर कुछ ऐसा कहा कि लोग तकरार के बीच दोस्ती की उम्मीद करने लगे हैं। करण जौहर और कंगना रनौत के बीच की अनबन को इंडस्ट्री की सबसे बड़ी कॉन्ट्रोवर्सी कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा। लेकिन हाल ही में करण के दिए एक बयान से इस पर विराम लगता दिख रहा है। अब फैंस तो यही मान रहे हैं। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में जब करण से पॉलिटिकल स्टोरी बेस्ड फिल्मों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कंगना की फिल्म का नाम मेंशन किया। करण से पूछा गया कि क्या वो कभी पॉलिटिकल इवेंट बेस्ड स्टोरी पर कोई फिल्म बनाएंगे? तो करण ने कहा- एक फिल्म अभी बन रही है इमरजेंसी और मैं उसे देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। करण का ये बयान कंगना से अनबन के लगभग 6 साल बाद आया है। ये पूरा विवाद शुरू हुआ था, जब कंगना अपनी फिल्म रंगून का प्रमोशन करने करण के चैट शो कॉफी विद करण पर गई थीं। शो के दौरान कंगना ने करण को मूवी माफिया कह दिया।

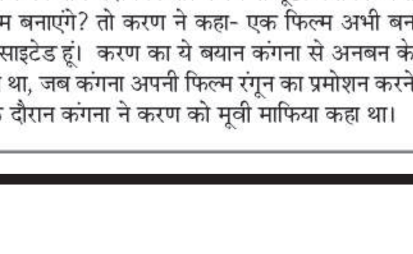

ड्राइवर ने व्यापारी से मांगी 3 लाख की रंगदारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाजार निवासी संतोष जायसवाल से उनके पूर्व ड्राइवर द्वारा गुरुवार की सायंकाल में फोन से 3 लाख रुपए रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया। इस बाबत पीड़ित द्वारा शुक्रवार को फूलपुर पुलिस को तहरीर दी गई। बताते है कि पिंडरा बाजार के संतोष जायसवाल की जनरल स्टोर व पतंजलि उत्पाद बिक्री केंद्र है। गुरुवार को सायंकाल में उनके पूर्व ड्राइवर व पिंडरा बाजार निवासी कुलदीप जायसवाल ने फोन कर तीन लाख रुपए की रंगदारी न देने पर फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी पीड़ित फोन से धमकी मिलने के बाद जब बदमाश के पिता के घर जाकर पता किया तो उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व कुलदीप अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार होने के बाद मिर्जापुर जेल में बन्द था। गुरुवार को सायं 6 बजे फिर रात 8 बजे के लगभग फोन आने के पूरा परिवार दहशत में है। वही फूलपुर पुलिस तहरीर के बाद रंगदारी के मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

महराजगंज: पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की रिहाई के आदेश पर जश्न का माहौल, समर्थकों में खुशी की लहर

महराजगंज। कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में दोषी करार दिए जाने के बाद उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमिता त्रिपाठी को शासन ने रिहा करने का आदेश जारी कर दिया है। यह खबर सुनकर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। खबर की जानकारी मिलते ही नौतनवां कस्बे में पूर्व मंत्री के आवास पर समर्थकों की भीड़ लग गई है। सभी अपने हिसाब से खुशी का इजहार कर रहे हैं। इससे महराजगंज जिले में सियासी हलचल तेज होने की संभावना बढ़ गई है। वहीं सियासत के जानकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में इसका असर दिख सकता है। बता दें कि अमरमणि त्रिपाठी वर्ष 1989 में कांग्रेस के टिकट पर पहली बार विधायक बने थे। वहीं वर्ष 2007 तक पांच बार वह नौतनवां विधानसभा के विधायक रहे हैं। पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के भाई अजित मणि त्रिपाठी ने बताया कि रिहाई होने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि कब आना है। परिवार समेत सभी समर्थकों को रिहायी की खबर से संजीवनी मिली है। नौतनवां के पूर्व विधायक कुंवर कौशल उर्फ मुन्ना सिंह ने कहा कि भाजपा का चरित्र सभी को समझ में आ रहा है। 15 अगस्त पर मधुमिता शुक्ला के हत्यारों को छोड़ा गया। यही भाजपा का चरित्र है जो आदमी 14 साल से अस्पताल में मरीज बनकर रह रहा था, उस मरीज की चाल कल से देख लीजिएगा। क्या यह डॉक्टरों के जांच का विषय नहीं है।

जिलाधिकारी ने सैदपुर ब्लाक में लगाई चौपाल, प्राइमरी स्कूल में किया पौधरोपण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन विकास खण्ड सैदपुर के ग्राम पंचायत मिजार्पुर मे किया गया। चौपाल में जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालय, आवास, हैंड पम्प के संचालन, वृद्धापेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, राशन वितरण, के सम्बंध में जानकारी ली एवम प्रत्येक पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलाये जाने का निर्देश दिया। उन्होने ने बच्चों के टीकाकरण एवम ई कवच पोर्टल पर फीडिंग एवम दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होने ग्राम में छूटे पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड बनाये जाने एवं छूटे हुए नामों को बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीसी सखी से गाव में किये गए कार्यों की जानकारी ली तथा गांव के ऐसे बूढ़े बुजुर्ग जो बैंक तक नही जा सकते, उनकी बैंकिंग सेवा में सहयोग हेतु बीसी सखी को निर्देश देते हुए गाँव में स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने को कहा। इस ग्राम चौपाल में सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचने का सत्यापन किया गया। ग्राम वासियों को चौपाल में सरकार द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए पेंशन योजना का लाभ दिलाये जाने के संबंध में निर्देशित किया गया कि उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि निराश्रित, विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन के पात्र लाभार्थियों का चयन करते हुए, पेंशन का लाभ दिलाया जायें। चौपाल मे प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को अध्यापकों द्वारा दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता स्तर के संबंध में भी चौपाल के दौरान ग्राम वासियों से जानकारी ली गयी। चौपाल में ग्रामीणो द्वारा ग्राम विकास अधिकारी मीनू देवी के गावं में न आने एवं शासकीय कार्य मे लापरवाही की शिकायत की गयी जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा। ए0डी0ओ0 पंचायत सैदपुर के कार्य में लापरवाही पाये जाने पर जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने चौपाल में ग्रामवासियों की शिकायतो को सुनकर गुणवत्तापूर्ण तत्काल निस्तारण करने का सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देशत किया। चौपाल के उपरान्त जिलाधिकारी ने प्राइमरी विद्यालय मिजार्पुर मे पौधरोपण किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सैदपुर, समस्त सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वाधीनता सेनानी व मजलूमों के मसीहा कामरेड सरजू पांडेय की मनाई गई पुण्यतिथि

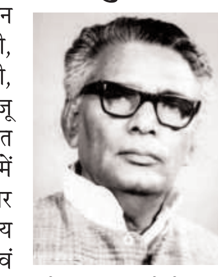

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को महान स्वाधीनता सेनानी,पूर्व सांसद, पूर्व एमएलसी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व राज्य मंत्री, गरीबो, मजलूमो के मसीहा कामरेड सरजू पाण्डेय की पुण्यतिथि जिला मुख्यालय स्थित सरजू पाण्डेय पार्क में श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई। सर्व प्रथम उनकी प्रतिमा पर राजनैतिक दलों, सामाजिक संगठनों, गणमान्य नागरिको, पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर उन्हे याद करते हुए वक्ताओं ने कहा की पाण्डेय जी का जीवन आजादी के जंग के प्रति समर्पित था। देश भक्ति की भावना इतनी प्रबल थी की 15 अगस्त 1942 को ही अपने हजारों साथियो के साथ कासिमाबाद थाना फूंक कर तिरंगा झंडा फहरा दिया था। प्रभावी इंकलाबी होने के कारण सबसे लम्बी जेल भी हुई।अंग्रेजी दासता के विरुद्ध संघर्ष करने वालों पर दमन चक्र भयंकर था फिर भी कभी कदम पीछे नहीं हटाए।आजादी के बाद गरीबो, किसानो, मजलूमो की लड़ाई खूब लड़े। जमींदारी उन्मूलन आंदोलन में अग्रणी भूमिका अदा किये। वे लोकप्रिय इतना हुए कि 1957 में एमपी, एमएलए का चुनाव एक साथ जीत गये। पाण्डेय जी का सपना, भगत सिंह के सपनो का भारत बनाने का था। अंतिम दम तक इस विचार पर कायम थे। उनका जीवन चरित्र चमकदार और दाग-बेदाग था। वे सांप्रदायिक सौहार्द, लोकतंत्र, समाजवाद के पक्षधर थे।उनसे प्रेरणा लेकर वर्तमान समय में संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता औरदेश जनता को बचाने के लिए तानाशाही, फासिस्ट शक्तियों को हर हाल में पराजित करने का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।वक्ताओं में प्रमुख रूप से भाकपा राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव, जिला सह सचिव राम अवध, ईश्वरलाल गुप्ता, माले के जिला सचिव शशिकांत कुशवाहा, भानु प्रकाश पाण्डेय, ऋषि पाण्डेय, रामचंद्र राम, सुरेंद्र राम, शमीम अहमद, फूल मैन, बासुदेव चौबे आदि मौजूद रहे।

पीजी कालेज में हुआ फाइलेरिया उन्मूलन अन्तर्गत कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में शुक्रवार को फाइलेरिया उन्मूलन लक्ष्य 2027 के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार ने फाइलेरिया रोग के रोकथाम के बारे में महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को बताया और कहा कि दवा पांच सालों एक बार अवश्य सेवन करना चाहिए एवं इस रोग से बचने हेतु सभी को दवा खाना अति आवश्यक है साथ ही अपने आस पास एवं घर परिवार में जागरूकता फैलाया जाए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस एस यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ रुचीमूर्ति सिंह एवं डॉ धर्मेन्द्र उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन व एनडीआरएफ का संयुक्त मॉक अभ्यास आज सेंट मैरिज स्कूल तड़बनवा में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं एनडीआरएफ के संयुक्त तत्वाधान में मॉक अभ्यास हेतु शनिवार स्थान सेंट मैरी स्कूल तड़बनवां, तहसील सदर गाजीपुर मे आयोजित होगा। इस सम्बन्ध में शुक्रवार को एनडीआरएफ और जिला प्रशासन गाजीपुर की आपदा प्रबंधन को लेकर एक संयुक्त बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में प्रखर उत्तम, उपजिलाधिकारी सदर, गाजीपुर की अध्यक्षता में एक टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। जिसमें नायब तहसीलदार अजय वर्मा, अशोक कुमार राय, आपदा विशेषज्ञ इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर और निरीक्षक आर0बी0 गौतम के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम के साथ जिले के अन्य प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और सभी हितधारकों द्वारा विस्तार से चर्चा भी की गयी। बैठक के दौरान विभिन्न संगठनों से प्रतिनिधि, एनडीआरएफ, फायर डिपार्टमेंट, सेंट मैरी स्कूल, एनसीसी, एनआईसी, राजस्व विभाग, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, पूर्ति विभाग, सूचना विभाग के साथ सी0आर0ए0 प्रहलाद यादव, प्रशांत गुप्ता, विनय सिंह ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर आदि टेबल टॉप एक्सरसाइज में मौजूद थे। बैठक के दौरान, मॉक अभ्यास हेतु शनिवार को होने वाली मॉक एक्सरसाइज की तैयारी पर चर्चा की गयी जिसमें पूरे मॉक एक्सरसाइज के लिए, घटनाओं की श्रृंखला का पालन किया जाने, मॉक एक्सरसाइज के परिदृश्य, कथा, मॉक एक्सरसाइज के दौरान गंभीर और समावेशी अभ्यास पर जोर दिये जाने, आईआरएस के महत्व, ईओसी और इसकी जिम्मेदारियों एवं डिजास्टर रिस्क रिडक्शन के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

खबर संक्षेप

सुजलॉन समूह को इंटीग्रम एनर्जी से मिली परियोजना

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को इंटीग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर से 31.5 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। हालांकि, कंपनी ने सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'सुजलॉन समूह इंटीग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड से 31.5 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिलने की आज घोषणा करता है।' इस परियोजना के मई 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।

चांदी में 1400 रुपए का उछाल

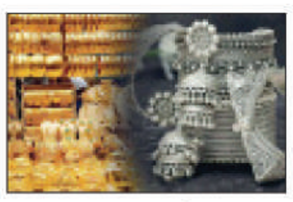

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 150 रुपये की बढ़त के साथ 59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,400 रुपये के उछाल के साथ 76,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,920 डॉलर प्रति औंस हो गया।

रीसाइकिलकरो निकल संयंत्र पर करेगी निवेश

RECYCLEKARO .COM

मुंबई। लिथियम-आयन बैटरी रीसाइकिल करने वाली कंपनी रीसाइकिलकरो ने गुरुवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में हर वर्ष 1,200 टन धातु का उत्पादन करने की क्षमता वाला निकल संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। रीसाइकिलकरो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राज्य के पालघर जिले में 17 एकड़ भूमि में इस सुविधा को स्थापित किया जाएगा।

एमएफआई ने कर्ज देने वाले बैंकों को पछाड़ा

मुंबई। छोटी राशि के कर्ज बांटने वाले वित्त संस्थानों (एमएफआई) ने पिछले वित्त वर्ष में 40 प्रतिशत कर्ज वितरित करने के साथ ही इस मामले में बैंकों को पीछे छोड़ दिया। एक विश्लेषण रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। केयर रेटिंग्स ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि कोविड महामारी के दौरान कर्ज वितरण एवं वसूली दोनों के बुरी तरह प्रभावित होने के बाद हालात सुधरे हैं और एमएफआई ने कुल कर्ज वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी जारी रखी है।

कोफोर्ज ने अपना एआई मंच 'कोफोर्ज क्वासर' किया पेश

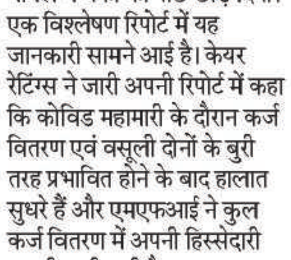

नई दिल्ली। आईटी कंपनी कोफोर्ज ने उद्यम में एआई क्षमताओं के निर्माण के लिए एक जेन एआई मंच 'कोफोर्ज क्वासर' पेश किया। गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'कोफोर्ज क्वासर' पर 100 से अधिक एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफसे) सेट पहले से उपलब्ध हैं।

टीवीएस ने लांच की नई इलेक्ट्रिक स्कूटर, सिंगल चार्ज में चलेगी 140 किलोमीटर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

टीवीएस मोटर ने एक नई इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ी टीवीएस एक्स लांच की है। कंपनी ने इसे अरब अमीरात में एक समारोह में लांच किया। यह प्रीमियम ईवी स्कूटर कैटेगरी में लांच हुई है। इसकी कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है और गुरुवार से इसकी बुकिंग शुरू हो है। कंपनी का कहना है कि इसकी डिलीवरी देश के 15 शहरों में चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी। कंपनी इसे क्रॉसओवर मॉडल कह रही है जिसमें फीचर्स स्कूटर जैसे हैं और डिजाइन मोटरबाइक की तरह है। इसमें एक खास फीचर है जिसके तहत जो इसमें डिस्प्ले है, उसमें लाइव स्ट्रीमिंग वीडियोज, वीडियोज और गेमिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। टीवीएस मोटर की देश के ईवी सेक्टर में 20 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है।

कीमत 2.49 लाख रुपए, डिलीवरी नंबवर से होगी शुरू

लाइव लोकेशन शेयरिंग फीचर

कंपनी का दावा है कि लाइव लोकेशन शेयरिंग फीचर के साथ आने वाला यह भारत का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। टीवीएस एक्स में एल्युमिनियम फ्रेम का इस्तेमाल किया गया है और कंफर्ट राइडिंग के लिए रियर में मोनोशॉक सस्पेंसन दिया है। इसके डिजाइन की बात करें तो सामने वर्टिकल एलईडी हेडलाइट और एलईडी डीआरएल दिए गए हैं। इसके हेडलाइट के दोनों किनारों पर इंडिकेटर हैं। यह एक बार में फुल चार्ज होने पर करीब 140 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी बैटरी 50 मिनट में 50 फीसदी चार्ज हो जाएगी और जीरो से 80 फीसदी चार्ज करने में साढ़े चार घंटे का समय लगेगा।

19 लीटर का स्टोरेज

टीवीएस मॉडल 10.25-इंच एचडी टिल्ट स्क्रीन सेटअप के साथ आएगा, जो इलेक्ट्रिक स्कूटर की सभी फीचर्स को सपोर्ट करेगा। यह इंफोटेनमेंट सिस्टम नेविगेशन, गेम्स, म्यूजिक और अन्य समेत कई ऐप्स को संचालित करने में सक्षम होगा। सीट के नीचे का स्टोरेज 19 लीटर का है।

टीवीएस एक्स में कई फीचर खास

कंपनी के दावे के मुताबिक यह 2.6 सेकंड्स में 0 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी मैक्सिमम स्पीड 105 किमी प्रति घंटा है। इसमें 10.2 इंच का टीएफटी क्लस्टर डिस्प्ले दिया हुआ है जो नेक्स्ट-जेन टीवीएस प्लेटफॉर्म पर चलेगा। इस डिस्प्ले को इस ढंग से भी एडजस्ट किया जा सकता है कि इस पर स्वास्थ्य से जुड़े वीडियो गेमिंग, लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग और इंटरनेट ब्राउजिंग जैसे फीचर का इस्तेमाल किया जा सके।

एंटी थेफ्ट अलॉर्म फीचर्स

हालांकि यह फीचर तभी काम करेगा जब बाइक की स्पीड जीरो हो। कंपनी ने लांच इवेंट के दौरान यह जानकारी दी। इसमें क्रूज कंट्रोल, रिवर्स असिस्टेंट, टीवीएस स्मार्ट कनेक्ट कनेक्टिड फीचर्स, लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग, ऑन बोर्ड गेम्स, वेब ब्राउसर, लाइव लोकेशन शेयरिंग, की-लैस, एलईडी हेडलाइट, सीक्वेंशल इंडीकेटर्स, एंटी थेफ्ट अलॉर्म जैसे फीचर्स हैं।

जी 20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को किया संबोधित

बड़े, छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जाए: मोदी

एजेंसी ▸▸| जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेजी से बढ़ते सीमा पार ई-वाणिज्य के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जी20 व्यापार मंत्रियों को बड़े तथा छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का गुरुवार को सुझाव दिया। जी20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित मूल्य हासिल करने और शिकायत प्रबंधन तंत्र में उपभोक्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान तलाशने की बात पर भी जोर दिया।

ई-वाणिज्य में बाजार की पहुंच बढ़ानी होगी

पीएम ने कहा, डिजिटल प्रक्रियाओं और ई-वाणिज्य में बाजार की पहुंच बढ़ाने की क्षमता है। मुझे खुशी है कि आपका समूह 'व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए उच्च स्तरीय सिद्धांतों' पर काम कर रहा है। ये सिद्धांत देशों को सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार उपायों को लागू करने और अनुपालन बोझ को कम करने में मदद कर सकते हैं।'

- उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान खोजने पर हो जोर
- व्यापार दस्तावेजों को तेजी से किया जाए डिजिटलीकरण
- सीमा पार बढ़ते ई-कॉमर्स से बढ़ रही चुनौतियां

भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया और उसने प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाया तथा पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर आशावाद तथा विश्वास देखते हैं। भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जाता है।

एफडीआई का प्रवाह हुआ उदार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण का विस्तार किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है। 'हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट की ओर बढ़े हैं। हमने एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के प्रवाह को उदार बनाया है।' उन्होंने कहा, सबसे बढ़कर हम नीतिगत स्थिरता लाए हैं। हम अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भविष्य की चुनौतियों से निपटना होगा

मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली और जी20 के सदस्यों के रूप में यह देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें मजबूत और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं बनानी चाहिए जो भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।

निवेश को बढ़ावा देने पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जैसे-जैसे सीमा पार ई-वाणिज्य बढ़ रहा है, चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें बड़े तथा छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है।' जी20 समूह के व्यापार मंत्री अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य तथा निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं।

भारत में तलाश रहे अवसर

सरकार की पहल 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (ओएनडीसी) को बड़ा बदलाव बताते हुए मोदी ने कहा कि यह 'डिजिटल मार्केटप्लेस इको-सिस्टम' का लोकतंत्रीकरण करेगा। मोदी ने कहा कि दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है और भारत को अवसरों तथा खुलेपन का संयोजन माना जा रहा है।

चंद्रयान की सफलता से स्पेस शेयरों में उछाल

सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, एमटीएआर टेक में उछाल

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले इसरो के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विकास में योगदान देने वाली कई कंपनियों के शेयर बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, मुनाफावसूली के कारण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो सहित कुछ कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। चंद्रयान मिशन को लेकर शेयर बाजार में भी गहमागहमी देखी गई और विमानन, अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों के प्रति निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। इनमें चंद्रयान-3 अभियान में 200 से भी अधिक कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाली कंपनी सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स भी शामिल है। सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स का शेयर बृहस्पिवार को 7.26 प्रतिशत की बढ़त, जबकि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर 6.13 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। इसी तरह एमटीएआर टेक्नोलॉजीज के शेयर में 3.83 प्रतिशत और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी भारत फोर्ज का शेयर 0.72 प्रतिशत तक बढ़े। सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स का शेयर सुबह शुरुआती कारोबार में 19.69 प्रतिशत तक उछल गया था, जबकि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर में 17.30 प्रतिशत की तेजी आई थी। मिश्र धातु निगम लिमिटेड के शेयरों में 2.54 प्रतिशत की गिरावट आई, बीएचईएल के शेयरों में 1.78 प्रतिशत, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में 1.60 प्रतिशत, लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में 1.10 प्रतिशत और एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स के शेयर में 0.10 प्रतिशत का नुकसान रहा।

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स व एलएंडटी में नुकसान

सेंसेक्स 181 अंक टूटा

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले तीन दिन से जारी तेजी पर गुरुवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 181 अंक के नुकसान के साथ बंद हुआ। मुख्य रूप से सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली से बाजार में गिरावट रही। निफ्टी भी 57.30 अंक गिरावट के साथ 19,386.70 अंक पर बंद हुआ।

दूरसंचार ग्राहकों की संख्या जून में बढ़कर 117.39 करोड़

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या जून में मासिक आधार पर मामूली बढ़कर 117.39 करोड़ रही है। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के नये ग्राहकों की संख्या में वृद्धि के साथ कुल ग्राहक बढ़े हैं। दूरसंचार नियामक ट्राई ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मोबाइल फोन उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। रिलायंस जियो ने 22.7 लाख नये ग्राहक जोड़े जबकि भारत एयरटेल के ग्राहकों की संख्या में 14 लाख का इजाफा हुआ। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा, 'देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या इस साल जून में मासिक आधार पर 0.11 प्रतिशत बढ़कर 117.39 करोड़ पर पहुंच गयी, जो मई में 117.26 करोड़ थी।' हालांकि जो वृद्धि हुई, उसका फायदा सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल, एमटीएनएल और निजी कंपनी वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में कमी की वजह से नहीं मिल सका। आंकड़ों के अनुसार, बीएसएनएल ने 18.7 लाख मोबाइल ग्राहक, वोडाफोन आइडिया ने 12.8 लाख और एमटीएनएल ने 1.53 लाख ग्राहक गंवाये।

- जियो और एयरटेल के मोबाइल ग्राहकों में वृद्धि

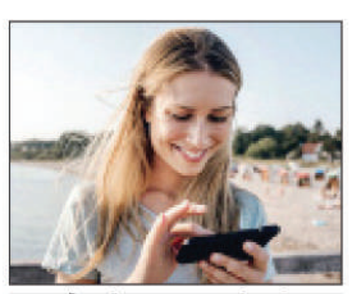

ब्रांडबैंड के ग्राहक भी बढ़े

वायरलाइन क्षेत्र में एपीएफपीएल ने 6,56,424 नये कनेक्शन जोड़े। वहीं रिलायंस जियो ने 2,08,014 कनेक्शन, भारतीय एयरटेल ने 1,34,021, वी कॉन मोबाइल एंड इंफ्रा ने 13,100, टाटा टेलीसर्विसेज ने 12,617 और क्वाड्रेन्ट ने 6,540 कनेक्शन जोड़े। ब्रॉडबैन्ड ग्राहकों की संख्या इस वर्ष जून में मासिक आधार पर 0.54 प्रतिशत बढ़कर 86.15 करोड़ हो गयी जो मई में 85.68 करोड़ थी।

नडाल बने इन्फोसिस के ब्रांड एम्बैसडर

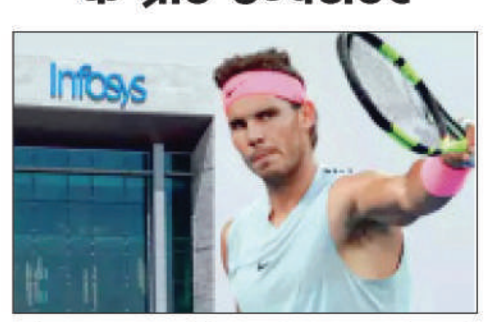

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इन्फोसिस ने दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को तीन साल के लिए अपना ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इन्फोसिस ने एक बयान में यह घोषणा करते हुए कहा कि नडाल उसके ब्रांड के साथ 'इन्फोसिस डिजिटल इनोवेशन' के लिए भी तीन साल तक एम्बैसडर के तौर पर जुड़े रहेंगे। यह पहला मौका है जब नडाल ने किसी डिजिटल सेवा कंपनी के साथ साझेदारी की है। इन्फोसिस ने कहा कि वह और नडाल की कोचिंग टीम एक साथ कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित मैच विश्लेषण टूल बना रही हैं। यह टूल नडाल की टीम को उनके मुकाबलों के दौरान वास्तविक समय पर ही आंकड़ों के विश्लेषण की सुविधा देगा। नडाल ने इन्फोसिस के साथ अपने जुड़ाव पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'यह कंपनी न सिर्फ टेनिस से जुड़े अनुभव को कई गुना बढ़ाने पर काम कर रही है बल्कि यह हमारे समुदायों में लोगों को एक चमकदार भविष्य का हिस्सा बनने के लिए भी सशक्त करती है।'

बिजनेस साइट

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो का आज शुभारंभ 27 अगस्त तक चलेगा

रायपुर। मौका है इनवेस्ट करने का, मौका है प्रापर्टी लेने का और मौका है बचत का फायदा लेने का..। यह अवसर क्रेडाई के प्रापर्टी एक्सपो में लोगों को 25 से 27 अगस्त तक इंडोर स्टेडियम बूढ़ापारा में मिलेगा। एक ही जगह पर 250 से अधिक प्रापर्टी की जानकारी मिलना वह भी पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं व वैधानिक दस्तावेजों के साथ, शायद इससे बेहतर अवसर फिर नहीं मिलेगा। इसमें हर बजट -हर लोकेशन का प्रोजेक्ट मिलेगा। इसका उद्घाटन समारोह शुक्रवार शाम चार बजे किया जाएगा। है। इसका उद्घाटन महापौर एजाज ढेबर करेंगे। विशेष अतिथि विधायक सत्यनारायण शर्मा, कुलदीप जुनेजा, बृजमोहन अग्रवाल और विकास उपाध्याय होंगे। क्रेडाई के सभी पदाधिकारी व सदस्य, स्टॉल होल्डर्स सभी बिल्डर्स, सहयोगी प्रायोजक, बैंकिंग अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष संजय रहेजा, प्रोग्राम चेयरमेन ऋभुराज अग्रवाल, को-चेयरमेन संतोष लोहाणा व सचिव पंकज लाहोटी ने बताया कि प्रापर्टी एक्सपो में कुछ नया लेकर आते हैं। इस बार भी क्रेडाई ने तीन दिन का प्रापर्टी एक्सपो आयोजित किया है। जहां 50 बिल्डर्स के प्रोजेक्ट्स की जानकारी मिलेगी।

संबलपुर-तालचेर दोहरीकरण परियोजना पूर्ण, अधिकारियों ने लिया जायजा

संबलपुर। तालचेर -संबलपुर लाइन के सुपर क्रिटिकल दोहरीकरण कार्य आज पूरा हो गया है। एएम चौधरी रेलवे संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्वी सर्कल ने संबलपुर मंडल में संबलपुर सिटी-संबलपुर खंड (6.10 किमी) के बीच दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य का निरीक्षण किया। श्री चौधरी ने ओवरहेड उपकरणों, सिग्नल और दूरसंचार उपकरणों, रेलवे ट्रैक आदि जैसे संरक्षा संबंधी पहलुओं का जायजा लिया। इसके बाद संबलपुर सिटी -संबलपुर स्टेशनों के बीच स्पीड ट्रायल भी किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक विनीत सिंह, पूर्व तट रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) पी. श्रीनिवास और पूर्व तट रेल मुख्यालय और संबलपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा परियोजना कार्यों की समीक्षा के कारण ही सम्भव हो पाया है। महाप्रबंधक मनोज शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को तालचेर और संबलपुर दोहरीकरण जैसी सुपर क्रिटिकल दोहरीकरण परियोजनाओं के साथ-साथ विभिन्न परियोजना कार्यों को तेजी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ओडिशा में चल रहे विभिन्न परियोजना कार्यों के साथ क्षेत्र के रेलवे ने बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रहे और नियमित रुप से निगरानी भी कर रहे हैं। तालचेर और संबलपुर दोहरीकरण कार्य क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

15 दिनों के अंदर दस रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई

टमाटर व प्याज के बाद अब रूलाने लगी अरहर दाल

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश में महंगाई है कि कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक चीज सस्ती होती है तब तक दूसरे खाद्य पदार्थ महंगे हो जाते हैं। टमाटर, प्याज और हरी सब्जियों के बाद अब महंगाई के रेस में दाल का भी नाम जुड़ गया है।

पिछले 15 दिन के अंदर दाल की कीमत में 10 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे आम जनता के किचन का बजट बिगड़ गया है। सबसे ज्यादा अरहर दाल की कीमत लोगों को रूला रही है। खास बात यह है कि सबसे अधिक दलहन उत्पादित करने वाला राज्य मध्य प्रदेश भी महंगाई से अछूता नहीं है। यहां पर भी दालों की कीमत में लगातार बढ़ोतरी जारी है। यहां के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा बेल्ट में अरहर दाल का सबसे अधिक उत्पादन होता है। इसके बावजूद भी कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। इससे ग्राहक के साथ- साथ व्यापारी और दुकानदार भी परेशान हैं।

- दलहन उत्पादन राज्यों में हुई फसल प्रभावित

कीमतों में आएगी नरमी

खास बात यह है कि पिछले कुछ महीनों के अंदर अरहर दाल की कीमत में 12.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, केंद्र सरकार ने महंगाई पर लगाम लगाने के लिए दालों के आयात की अनुमति दे दी है।

इस वजह से बढ़ रही है कीमत

इस साल नरसिंहपुर जिले के किसानों ने अरहर की जगह दूसरी फसलों की खेती की। इससे उत्पादन कम हो गया और मंडियों में अरहर दाल की आवक प्रभावित हो गई। उनका कहना है कि अभी मंडियों में 9500 से 10700 रुपए क्विंटल अरहर बिक रही है। वहीं, इसके बाद उससे दाल बनाई जाती है। ऐसे में लागत बढ़ने पर अरहर दाल की कीमत और ज्यादा बढ़ जा रही है। वहीं, अरहर के उत्पादन में कमी आने की वजह से दाल की किल्लत हो गई है। ऐसे में रेट बढ़ रहे हैं। अभी मार्केट में खड़ी अरहर का भाव 115 से 120 रुपए किलो है, जबकि, अरहर की दाल 140 से 160 रुपए किलो है। वहीं, पिछले साल इसकी कीमत 100 से 110 रुपये किलो के बीच थी।

मंडियों में अरहर की सप्लाई कम हो गई है

व्यापारियों का कहना है कि उत्पादन में गिरावट आने की वजह से मंडियों में अरहर की सप्लाई कम हो गई है। इससे कीमतें बढ़ती जा रही हैं। अभी थोक मार्केट में अरहर 10 हजार रुपए क्विंटल है। यानि कि एक किलो अरहर का होलसेल रेट 100 रुपए हुआ। लेकिन रिटेल मार्केट में आते- आते यह 150 से 160 रुपए किलो बिक रही है। इससे गरीब जनता की थाली से दाल गायब हो गई है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि अगले साल फरवरी से मार्केट में नई फसल आएगी। ऐसे में फरवरी से पहले तक दाल की कीमत में और बढ़ोतरी हो सकती है।

गडकरी पूरी तरह एथनॉल से चलने वाली कार करेंगे पेश

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वह 29 अगस्त को पूरी तरह से एथनॉल ईंधन से चलने वाली टोयोटा की इनोवा कार पेश करेंगे। वाहन विनिर्माताओं को वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले और हरित वाहन लाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे केंद्रीय मंत्री ने पिछले साल हाइड्रोजन से चलने वाली कार टोयोटा मिराई ईवी पेश की थी। गडकरी ने यहां मिंट सस्टेनेबिलिटी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं 29 अगस्त को 100 प्रतिशत एथनॉल से संचालित होने वाली लोकप्रिय (टोयोटा) इनोवा कार बाजार में पेश करने जा रहा हूं।' यह कार दुनिया की पहली बीएस-6 (स्टेज-2) विद्युतीकृत फ्लेक्स-ईंधन आधारित वाहन होगी। गडकरी ने कहा कि उन्होंने 2004 में देश में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद जैव ईंधन में रुचि लेनी शुरू की। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन चमत्कार कर सकता है और पेट्रोलियम के आयात पर खर्च होने वाली बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बचा सकता है।

प्रज्ञानानंदा ने हार कर भी रचा इतिहास, कार्लसन बने वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| बाकू

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा फिडे विश्व कप शतरंज के फाइनल में क्लासिकल मुकाबले बराबरी पर रहने के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से गुरुवार को टाइब्रेक में 1.5-0.5 से हार गए। दूसरा 25 प्लस 10 टाइब्रेक मुकाबला 22 चालों के बाद ड्रॉ रहा। नॉर्वे के महान खिलाड़ी कार्लसन ने पहला मुकाबला जीतने के बाद रक्षात्मक खेल दिखाया।

कार्लसन की विश्व कप में यह पहली जीत है लेकिन वह विश्व चैंपियनशिप पांच बार जीत चुके हैं। उन्हें भारत के 18 वर्ष के प्रज्ञानानंदा से पहले टाइब्रेक मुकाबले में कड़ी चुनौती मिली और 45 चालों के बाद वह जीत सके। दूसरे मुकाबले में हालांकि उन्होंने दबदबा बनाया और आसानी से जीते। इससे पहले मंगलवार और बुधवार को दो क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे थे जिससे मुकाबला टाइब्रेक में खिंचा।

- क्लासिकल मुकाबले रहे ड्रॉ, टाइब्रेक में 1.5-0.5 से मिली हार
- युवा प्रज्ञानानंदा ने नंबर-2 नकामूरा और नंबर-3 कारूआना को हराया था

कैंडिडेट्स 2024 में बनाई जगह

प्रज्ञानानंदा ने टूर्नामेंट में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नकामूरा और तीसरे नंबर के खिलाड़ी फेबियानो कारूआना को हराकर कार्लसन के खिलाफ फाइनल में जगह बनाई। इस टूर्नामेंट के बाद प्रज्ञानानंदा ने कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट में जगह बना ली जो कनाडा में होगा। वह बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद इस टूर्नामेंट में जगह बनाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

कोच रमेश ने कहा, अपना ध्यान खुद रखते हैं प्रज्ञानानंदा

चेन्नई। भारत के किशोर ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शतरंज विश्व कप में अपने से अधिक रेटिंग के खिलाड़ियों को हराकर नई ऊंचाइयां हासिल कर रहे हैं और सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपना और अपने खेल का ध्यान खुद रखते हैं। प्रज्ञानानंदा अभी अजरबैजान की राजधानी बाकू में हैं जबकि उनके निजी कोच आरबी रमेश किसी अन्य देश में हैं। प्रज्ञानानंदा का साथ देने के लिए उनकी मां नागालक्ष्मी उनके साथ है लेकिन खेल के लिए रणनीति बनाने में उनकी कोई भूमिका नहीं होती है। रमेश ने कहा,'' वह (प्रज्ञानानंदा) अधिकतर अपना ध्यान खुद रखते हैं और स्वयं रणनीति तय करते हैं। मैं उनके साथ केवल व्हाट्सएप पर चैट कर रहा हूं।'

फिडे विश्व कप में सफर

- पहले दौर में बाय मिला
- दूसरे दौर में फ्रांस के ग्रैंडमास्टर मैक्सिम लागार्डे को 1.5-0.5 से हराया
- तीसरे दौर में चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा को 1.5-0.5 से हराया
- चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा को 3-1 से मात दी
- पांचवें दौर में हंगरी के फेरेंग बेरकेस को 1.5-0.5 से हराया
- छठे दौर में हमवतन अर्जुन एरिगेसी को 5-4 से हराया
- कारूआना को सेमीफाइनल में 3.5-2.5 से हराया
- विश्व कप फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने
- फाइनल का पहला मुकाबला 35 चालों के बाद ड्रॉ रहा
- दूसरा मुकाबला 30 चालों के बाद ड्रॉ रहा
- मैग्नस कार्लसन ने टाइब्रेक में प्रज्ञानानंदा को हराया

प्रज्ञानानंदा पर देश को गर्व : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिडे विश्व कप शतरंज उपविजेता आर प्रज्ञानानंदा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करके फाइनल में मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज को कड़ी टक्कर दी। प्रज्ञानानंदा बाकू में हुए फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से गुरुवार को टाइब्रेक में 1.5-0.5 से हार गए। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'हमें फिडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रज्ञानानंदा पर गर्व है। उन्होंने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करके मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज को फाइनल में कड़ी टक्कर दी। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

खबर संक्षेप

राशिद ने बहिष्कार की धमकी वापस ली

मेलबर्न। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली है और खुद को इस टी20 फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के 2023-24 सत्र के लिए उपलब्ध रखा। पिछले साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला से हटने के फैसले के बाद राशिद ने इस साल जनवरी में बीबीएल का बहिष्कार करने की धमकी दी थी।

मलेशिया के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

सलालाह। भारतीय टीम महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में शुक्रवार को यहां मलेशिया के खिलाफ होने वाले पहले मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन 25 से 28 अगस्त के बीच किया जाएगा। भारत को जापान, मलेशिया और थाईलैंड के साथ एलीट पूल में रखा गया है। चैलेंजर्स पूल में हांगकांग, चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, ईरान और ओमान को रखा गया है। अगले साल होने वाले एफआईएच हॉकी 5 विश्वकप में कुल 16 टीमें भाग लेंगी।

चहल छोटे प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्पिनर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने युजवेंद्र चहल को वर्तमान समय में सीमित ओवरों में देश का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर करार देते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने 30 अगस्त से पाकिस्तान और श्रीलंका में होने वाले एशिया कप के लिए उन्हें टीम में न चुनकर गलती की।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप : बाधा दौड़ में कार्स्टन का दबदबा बरकरार

वारहोम की खिताबी हैट्रिक, पोल वॉल्ट के खिलाड़ियों ने साझा किया स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

विश्व में बाधा दौड़ के सबसे तेज धावक कार्स्टन वारहोम ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिताबी हैट्रिक पूरी की। पोल वॉल्ट में शीर्ष पर रहने वाले दोनों खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक साझा करके टोक्यो ओलंपिक की यादें ताजा की।

नॉर्वे के वारहोम ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 46.89 सेकंड का समय लेकर विश्व चैंपियनशिप में अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने हमेशा की तरह वाइकिंग हॉर्न बचाकर जीत का जश्न मनाया। उन्होंने ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह के रजत पदक विजेता क्यारोन मैकमास्टर को तीन कदम और .45 सेकंड से पीछे छोड़ा।

जोश केर 1500 मीटर चैंपियन

टोक्यो ओलंपिक में मुताज बार्शिम (कतर) और जियानमार्को ताम्बरी (इटली) ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक साझा करने का फैसला करके खेल भावना का परिचय दिया था जिसकी विश्व चैंपियनशिप में पुनरावृति हुई। ब्रिटेन के जोश केर ने नॉर्वे के खिताब के प्रबल दावेदार जैकब इंगेब्रिग्त्सेन को पीछे छोड़ कर पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ जीती।

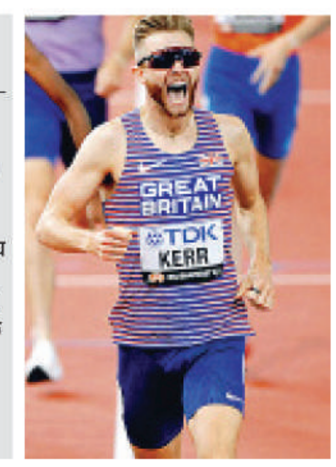

मून-नीना ने बांटा पदक

इससे पहले अमेरिका की पोल वॉल्टर्स केटी मून और ऑस्ट्रेलिया की नीना कैनेडी ने टाई ब्रेकर में कूद लगाने की बजाय स्वर्ण पदक साझा करने का फैसला किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने 4.95 मीटर के तीन प्रयासों में असफल रहने के बाद यह फैसला किया। कैनेडी ने कहा, 'हम लंबे समय से मित्र हैं, इसलिए यह खास है।'

'मेसी मैजिक'

इंटर मियामी ने एक और फाइनल में बनाई जगह

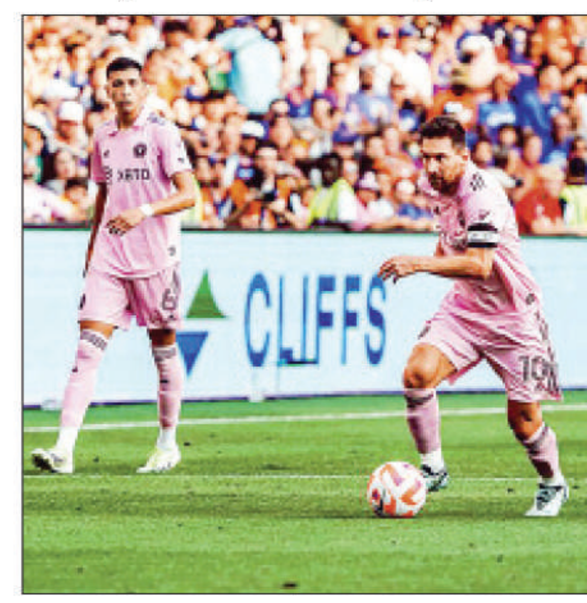

एजेंसी ▶▶| सिनसिनाटी

लियोनेल मेसी ने दो गोल करने में मदद की और बाद में पेनल्टी किक पर गोल दागा। इससे इंटर मियामी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके मेजर सॉकर लीग में शीर्ष पर चल रहे सिनसिनाटी को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर यूएस ओपन कप फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया।

सिनसिनाटी ने शुरू में ही 2-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद मेस्सी के प्रयासों से लियोनार्डो कैम्पाना ने दो गोल दागकर इंटर मियामी को बराबरी दिलाई। मियामी ने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में जोसेफ मार्टिनेज के गोल से बढ़त बनाई लेकिन सिनसिनाटी ने 114वें मिनट में युया कुबो के गोल से मैच को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें मियामी जीत दर्ज करने में सफल रहा। मियामी 27 सितंबर को होने वाले फाइनल में ह्यूस्टन डायनेमो से भिड़ेगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में रियल साल्ट लेक को 3-1 से हराया।

- मेसी ने दो गोल करने में मदद की और एक गोल भी दागा

'यो-यो' परीक्षण में खरे उतरे भारतीय क्रिकेटर

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

एशिया कप 2023 से पहले भारतीय क्रिकेटरों ने गुरुवार को फिटनेस 'ड्रिल्स' का कड़ा अभ्यास किया जिसमें 'यो-यो' परीक्षण भी शामिल था। इस अभ्यास में मौजूद सभी खिलाड़ी 'यो-यो' परीक्षण में खरे उतरे। हैरानी की बात नहीं है कि विराट कोहली इसमें सबसे ज्यादा 17.2 अंक हासिल करने में सफल रहे।

यह परीक्षण छह दिवसीय अनुकूलन शिविर और कौशल निखारने के लिए लगे इस शिविर का हिस्सा है। बीसीसीआई ने फिटनेस पैरामीटर 16.5 रखा है। पता चला है कि यहां केएससीए-अलूर मैदान पर कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और वनडे टीम के उप कप्तान हार्दिक पंड्या भी 'ड्रिल्स' में अन्य खिलाड़ियों के साथ शामिल थे और परीक्षण में सफल रहे।

राजेश्वरी ने हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

बाकू। भारत की ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी ने आईएसएसएफ विश्व कप में गुरुवार को पांचवें स्थान पर रहकर देश को पेरिस ओलंपिक के लिये सातवां कोटा दिलाया। देश के शीर्ष खेल प्रशासकों में रहे पूर्व शॉटगन निशानेबाज रणधीर सिंह की बेटी राजेश्वरी ने दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल में जगह बनाई लेकिन पदक से चूक गई। वह महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली शगुन चौधरी के बाद दूसरी भारतीय बनी। फाइनल में वह 30 शॉट में 19 अंक ही हासिल कर सकी। फाइनल के बाद उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

एजेंसी ▶▶| कोपेनहेगन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी गुरुवार को यहां पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के एक और पदक से महज एक कदम दूर है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रॉली कारनांडो और डेनियल मार्थिन पर तीन गेम में जीत हासिल की।

दुनिया की दूसरे नंबर की इस जोड़ी ने पिछली विश्व चैंपियनशिप में पहला कांस्य पदक जीता था। सात्विक-चिराग ने राउंड 16 मैच में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 10वीं रैंकिंग पर काबिज इंडोनेशियाई जोड़ी को एक घंटे से ज्यादा समय में 21-15, 19-21, 21-9 से पराजित किया।

इससे पहले भारतीय जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद महिला युगल क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले में चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान से हारकर बाहर हो गई। उन्हें 42 मिनट के भीतर चीनी जोड़ी ने 21-14, 21-9 से हराया। दोनों जोड़ियों के बीच यह दूसरा ही मुकाबला था।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप

गुरबाज ने वनडे में ठोका 5वां शतक

हंबनटोटा। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में अफगानिस्तान के रहमानउल्ला गुरबाज ने धमाकेदार बैटिंग करते हुए गुरुवार को शतकीय पारी खेली। गुजबाज ने वनडे क्रिकेट में अपना पांचवां शतक लगाया। पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में ओपनिंग करते हुए गुरबाज ने 124 गेंद में अपने 100 रन पूरे किए। अफगानिस्तान ने पांच विकेट के नुकसान पर 300 रन का स्कोर खड़ा किया है। रहमानउल्ला गुरबाज अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर बल्लेबाज हैं।

16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाली है विश्व चैंपियनशिप

आज से विश्व चैंपियनशिप के लिए कुश्ती के ट्रायल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युनाइटेड विश्व कुश्ती द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित किए जाने के बावजूद आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम का चयन ट्रायल 25 और 26 अगस्त को ही होगा। यूडब्लूडब्लू ने 45 दिन के भीतर चुनाव नहीं कराने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया जिसके मायने हैं कि भारतीय पहलवान 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में तिरंगे तले नहीं खेल सकेंगे।

आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने बताया कि ट्रायल पटियाला में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को ही होंगे। उन्होंने कहा, 'ट्रायल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि ताजा घटनाक्रम के बाद क्या नए सिरे से सूचना जारी की जाएगी।

तदर्थ समिति पर जताई नाराजगी

तदर्थ समिति के एक अन्य सदस्य ज्ञान सिंह ने भी पुष्टि की कि ट्रायल पटियाला में 25 और 26 अगस्त को होंगे लेकिन समिति के सदस्यों के कामकाज पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस निलंबन से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह के मामलों में यूडब्लूडब्लू खिलाड़ियों को तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक क्वालीफाइंग विश्व चैंपियनशिप में खेलने देता है। भारतीय दल को कुछ भी नाम दिया जा सकता है मसलन यूडब्लूडब्लू एक या दो। लेकिन उनके पदक भारत के नहीं बल्कि उनके नाम होंगे। यह दुखद है कि तदर्थ समिति के सदस्य यूडब्लूडब्लू को समझा नहीं सके कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया दूसरी प्रक्रियाओं से अलग है।

विनेश अच्छी पहलवान लेकिन मैं बेहतर करूंगी

नई दिल्ली। लगातार दो अंडर-20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने कहा कि उनकी कोशिश सीनियर पहलवान विनेश फोगाट से बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी बनने की होगी। एशियाई खेलों के लिए विनेश को सीधे प्रवेश दिए जाने के फैसले को अदालत में चुनौती देने वाली पंघाल की याचिका खारिज कर दी गई। अंत में विनेश ने घुटने की चोट के कारण एशियाई खेलों से हटने का फैसला किया। पंघाल अपनी अनुभवी साथी विनेश की उपलब्धियों से वाकिफ हैं जो एशियाई खेलों की चैंपियन हैं और कई एशियाई चैंपियनशिप पदक जीत चुकी हैं। वह एकमात्र भारतीय महिला पहलवान हैं जो दो विश्व चैंपियनशिप पदक अपने नाम कर चुकी हैं। हालांकि विनेश जिन दो ओलंपिक रियो (2016) और तोक्यो (2021) खेलों में पहुंची, उनसे खाली हाथ लौटीं।

मानसून में घूमने के लिए परफेक्ट है साउथ इंडिया का ये हिल स्टेशन, बस इन बातों का रखें खास ख्याल

अक्सर मानसून में हम सभी का मन बाहर घूमने का होता है। कई बार कार लेकर हम लॉन्ग ड्राइव पर निकल जाते हैं। मानसून में बाहर घूमने का अपना ही मजा होता है। हालांकि अगर आपने कहीं दूर जाकर छुट्टियां बिताने का मन बनाया है। तो ऐसे में कुर्ग जाना एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। बता दें कि मानसून में कुर्ग की खूबसूरती काफी बढ़ जाती है। यह साउथ इंडिया का सबसे फेमस और पॉपुलर हिल स्टेशन है। वैसे तो आप पूरे साल में यहां पर घूमने के लिए कभी भी जा सकते हैं। लेकिन मानसून में कुर्ग की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। जून से सितंबर तक कूर्ग में मानसून रहता है। यह क्षेत्र काफी हरा-भरा है, इसलिए बारिश में यहां की सुंदरता काफी हद तक बढ़ जाती है। लेकिन अगर आप मानसून में कुर्ग घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कुर्ग में घूमते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ों की पैकिंग- अगर आप भी मानसून में कुर्ग घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप को कपड़ों की पैकिंग पर विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर होगा कि कपड़ों की पैकिंग के दौरान आप हल्कि रेनकोट या फिर पोंचो, जल्दी सूखने वाले कपड़े और वॉटरप्रूफ जूते जरूर रखें। इसके अलावा आप छाता भी रख सकते हैं।

मौसम को लेकर रहें अपडेट- मानसून में कुर्ग घूमना एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन घर से निकलने के दौरान कुर्ग के मौसम की जानकारी लेते रहें। क्योंकि कुर्ग में भारी बारिश होती है। जिसके कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। इस दौरान आपको किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए मौसम का अपडेट लेना न भूलें।

एक्टिविटीज करें प्लान- वैसे तो कुर्ग में करने के लिए काफी कुछ है। लेकिन अगर आप ट्रैकिंग आदि के शौकीन हैं, तो आपको यहां पर मानसून में नहीं आना चाहिए। क्योंकि मानसून में भारी बारिश की वजह से ट्रैकिंग जैी एक्टिविटीज सेफ नहीं मानी जाती हैं। इसलिए मौसम के हिसाब से अपनी ट्रिप बनाएं। मानसून में आप कॉफी बागानों और वॉटरफॉल आदि को देख सकते हैं। इसके अलावा लोकल मार्केट्स और म्यूजियम आदि भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

एकता मिशन सिंगर के विजेता बने कदंब चौहान और साक्षी कुमारी

एकता मिशन सिंगर सितारों की खोज के विजेता बने कदंब चौहान और साक्षी कुमारी। प्रोग्राम में मशहूर पंजाबी प्लेबैक सिंगर सुखबीर, स्प्रिंगडेल्स स्कूल की प्रिन्सिपल माला गुप्ता व सांसद मनोज तिवारी को राजधानी रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। बिस्मिल, शंकर साहनी, दिलबाग सिंह व हितेन पंवार को यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एकता मिशन के चेयरमैन अनूप जलोटा, अध्यक्ष पवन मोंगा व जनरल सेक्रेटरी संजय मलिक द्वारा आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया गया। इस प्रोग्राम का आयोजन मलिक म्यूजिक इवेंट्स द्वारा किया गया।

इंडियन एयरफोर्स में बनना चाहती हैं पायलट इस तरह करें तैयारी

देश में 15 फीसदी पायलट महिलाएं हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, यह वैश्विक औसत 5 प्रतिशत से तीन गुना है। यह आंकड़े हाल ही में सामने आए थे, जो इस बात की तस्दीक करते हैं कि महिलाएं हर क्षेत्र की तरह वायुसेना में भी मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। अगर ऐसे में आपके भीतर देश सेवा का जज्बा है तो जानिए कैसे इंडियन एयरफोर्स में पायलट या फाइटर पायलट बनना चाहती हैं तो जानिए कैसे मिल सकती है एंट्री।

ऐसे मिलती है एंट्री

इंडियन एयर फोर्स में पायलट की भर्ती इन चार माध्यमों से होती है। इनमें, नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए), कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जाम (सीडीएसई), एनसीसी इंट्री और शॉर्ट सर्विस कमीशन इंट्री (एसएससी)। हालांकि, इनमें पहले तीन तरीके पर्मानेंट कमीशन हैं, जबकि चौथा अस्थायी कमीशन है।

ऐसे बन सकती हैं फाइटर पायलट

अगर आप फाइटर पायलट बनना चाहती हैं तो इसके लिए दो विकल्प हैं।पहला, 12वीं के स्तर के बाद और ग्रेजुएशन के बाद। बारहवीं के बाद आप एनडीए की परीक्षा में शामिल हो सकती हैं।वहीं, स्नातक स्तर के बाद एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट एएफकैट टेस्ट दे सकती हैं। बता दें कि एनडीए परीक्षा का आयोजन यूपीएससी कराती है। वहीं, एएफकैट एग्जाम का आयोजन इंडियन एयरफोर्स के माध्यम से होती है। इसकी जानकारी संबंधित पोर्टल से जुटाई जा सकती है।

एएफसीएटी के जरिए भी मिलता है मौका

एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (एएफसीएटी) एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (एएफसीएटी) महिला एवं पुरुष दोनो ही उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध होता है। इस टेस्ट का आयोजन इंडियन एयर फोर्स द्वारा 14 वर्षों के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन में नियुक्ति देने के लिए किया जाता है। इस माध्यम से उम्मीदवारों का चयन टेक्निकल ब्रांचेस एवं ग्राउंड ड्यूटी ब्रांचेस के लिए किया जाता है। इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है। यह एक लिखित परीक्षा होती है।

आप भी इस तरह बन सकते हैं इसरो वैज्ञानिक

अंतरिक्ष में भारत की ताकत बढ़ाने, इतिहास रचने और देशवासियों को गौरवशाली पल देने के लिए 23 अगस्त 2023 की शाम 6 बजकर 04 मिनट पर चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सॉफ्ट लैंडिंग करवाई गई। इस काम को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के वैज्ञानिकों ने अंजाम दिया है। आईए इस मौके पर जानते हैं आखिर इसरो वैज्ञानिक कैसे बना जा सकता है।

ये है इसरो

अंतरिक्ष में अनुसंधान के लिए हर देश के पास एक अलग एजेंसी होती है। भारत में इसका नाम भारतीय अंतरिक्ष संगठन (इसरो) है। 15 अगस्त 1969 को इसरो की स्थापना की गई, जिसका श्रेय महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम अंबालाल साराभाई को जाता है। ये इसरो के प्रथम अध्यक्ष भी रहे। इसरो का मुख्यालय कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में है। वर्तमान अध्यक्ष एस सोमनाथ हैं।

10वीं के बाद पकड़े इसरो की राह

इसरो वैज्ञानिक बनने के लिए इंजीनियरिंग या विज्ञान संबंधी उच्च शिक्षा हासिल करनी होती है, मगर दसवीं कक्षा के बाद से ही इसरो की राह पकड़नी होती है। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विज्ञान संकाय से पीसीएम (फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स) की पढ़ाई करनी होती है। 12वीं के बाद भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी संस्थान जैसे भारत के श्रेष्ठ संस्थानों में से एक में प्रवेश लेना होगा। इसके अलावा प्रथम श्रेणी में डिग्री के साथ बीई/बीटेक पाठ्यक्रम पूरा करने और कुल 65प्रतिशत या 6.84 CGPA से अधिक अंक वाले भी इसरो के लिए पात्र हैं।

क्या-क्या करते हैं इसरो वैज्ञानिक

इसरो के वैज्ञानिक अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान में निपुणता रखते हैं। उन्हें अंतरिक्ष मिशन की योजना, उपग्रहों के डिजाइन, विकास, परीक्षण और नियंत्रण समेत कई काम करने होते हैं। अंतरिक्ष यातायात, अंतरिक्ष सांख्यिकी, अंतरिक्ष उपग्रह उपयोग, अंतरिक्ष और उपग्रह मिशनों के लिए नई तकनीकों, उपकरणों, और विज्ञान में नवीनता लाने का काम भी इसरो वैज्ञानिकों के जिम्मे होता है।

इसरो वैज्ञानिक के लिए योग्यताएं शिक्षा

इसरो वैज्ञानिक बनने के लिए सबसे जरूरी है STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) पर मजबूत पकड़। भौतिकी, खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक डिग्री। उन्नत अनुसंधान पदों के लिए स्नातकोत्तर डिग्री या पीएचडी।

डाटा की समझ: अंतरिक्ष अभियानों के डाटा की अच्छी समझ होनी चाहिए। अंतरिक्ष विज्ञान में जटिल डेटा के विश्लेषणात्मक का कौशल हो और डेटा को लेकर आ रही समस्याओं से निपटना आना चाहिए।

गणितीय ज्ञान: खगोल विज्ञान की घटनाओं को जानने, समझने और मॉडलिंग करने के लिए उन्नत गणित, जैसे कि कैलकुलस और रैखिक बीजगणित।

प्रोग्रामिंग: इसरो के कई वैज्ञानिकों के लिए कोडिंग का ज्ञान भी आवश्यक है। Python, C++, जैसी भाषाओं का ज्ञान लाभदायक हो सकता है।

इसरो के लिए आवेदन प्रक्रिया

इसरो वैज्ञानिक का चयन प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से होता है। इसके लिए इसरो की वेबसाइट पर अधिसूचना पढ़कर परीक्षा के लिए पंजीकरण करवाना जरूरी है। परीक्षा में पास होने वालों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। इंटरव्यू में अभ्यर्थी की वैज्ञानिक ज्ञान, अनुभव, और अभिरुचि को परखा जाता है।

सीटीईटी और टीईटी में क्या अंतर होता है

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की तरफ से हाल ही में सीटीईटी परीक्षा आयोजित की गई है। इस परीक्षा के लिए आंसर-की और रिजल्ट जल्द जारी होने वाला है। वहीं, बिहार में STET परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन बंद हो चुकी है। परीक्षार्थियों को स्टेट टीईटी और सीटीईटी परीक्षा को लेकर अकसर कंफ्यूजन होता है। TET और CTET में क्या अंतर है आइए से जानते हैं।

सबसे पहले बता दें कि सीटीईटी परीक्षा में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट पर नजर बनाए रखें। इस परीक्षा के लिए प्रोविजनल आंसर-की कभी भी जारी हो सकती है। आंसर-की जारी होने के बाद ऑब्जेक्शन का भी मौका मिलेगा।

TET और CTET में अंतर

क्या है CTET परीक्षा: सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट परीक्षा सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित की जाती है। यह सेंट्रल लेवल के स्कूलों में टीचर भर्ती के लिए क्वालीफाइंग एग्जाम है। इस एग्जाम को पास करने के वाले नवोदय विद्यालय केंद्रीय विद्यालय और एकलव्य स्कूल जैसे स्कूलों में टीचर बन सकते हैं। सराकरी टीचर बनने के लिए डिग्री और डिप्लोमा के बाद पहला एंट्रेंस CTET होता है।

क्या है TET

सीटीईटी की तरह ही टीईटी भी एक क्वालीफाइंग एग्जाम है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह स्टेट लेवल की परीक्षा है। बिहार में होने वाली परीक्षा को बिहार STET कहते हैं। इसी तरफ यूपी में

होने वाली परीक्षा UPTET कहलाती है। मध्य प्रदेश में MPTET परीक्षा आयोजित की जाती है। राज्य स्तर के सरकारी स्कूलों में टीचर के पोस्ट के लिए यह परीक्षा पास करना अनिवार्य है।

योग्यता: सीटेट परीक्षा में लेवल 1 यानी कक्षा एक से 5वीं तक शिक्षक बनने के लिए कैंडिडेट्स को 12वीं पास होना अनिवार्य है। वहीं, लेवल 2 यानी कक्षा 6 से 8वीं तक के लिए 50 फीसदी अंकों से ग्रेजुएशन की डिग्री रखने वाले आवेदन कर सकते हैं। बिहार एसटीईटी में लेवल 1 के लिए ग्रेजुएशन और लेवल 2 के लिए मास्टर्स की योग्यता मांगी गई थी।

CTET और TET में किसकी डिमांड ज्यादा

वैसे तो यह दोनों परीक्षाएं टीचर भर्ती के लिए आयोजित की जाती हैं, लेकिन अगर डिमांड की बात करें तो CTET में ज्यादा बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शामिल होते हैं। स्टेट टीईटी परीक्षा की बात करें तो इसका दायरा सीमित है। अगर कोई उम्मीदवार यूपीटीईटी परीक्षा पास करता है, तो वह केवल उत्तर प्रदेश के स्कूलों के लिए आवेदन कर सकता है।

आईटी सेक्टर में ये हैं टॉप जॉब प्रोफाइल आप भी बना सकते हैं भविष्य

आज हर कोई कुछ ऐसा करना चाहता है और ऐसे क्षेत्र में जाना चाहता है जिसमें करियर ग्रोथ के साथ ही अच्छा वेतन भी मिले। 12वीं के साथ ही बच्चे एवं उनके पैरेंट्स अच्छे करियर विकल्पों की तलाश करते हैं। अगर आप भी 12वीं उत्तीर्ण है और ऐसे क्षेत्र में जाना चाहते हैं जिसमें प्राइवेट सेक्टर के साथ ही सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के विकल्प मौजूद हों तो आईटी क्षेत्र आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। वर्तमान समय आईटी एवं टेक्नोलॉजी का समय है। इस क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा सर्टिफिकेट सहित सभी प्रकार के कोर्सेज मौजूद हैं जिनको करके आप आसानी से सरकारी एवं निजी क्षेत्र में आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

आईटी क्षेत्र में टॉप प्रोफाइल जॉब्स

आईटी क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा सर्टिफिकेट आदि कोर्सेज करने के बाद आपको विभिन्न क्षेत्रों / कंपनियों में विभिन्न प्रोफाइल्स पर जॉब्स ऑफर होती हैं। इनमें से डाटा साइंटिस्ट, डाटा एनालिस्ट, मार्केटिंग एनालिस्ट, डाटा इंजीनियर, बिजनेस एनालिस्ट इंजीनियर, फुल-स्टैक डेवलपर, मोबाइल ऐप डेवलपर, वेब डेवलपर की इस समय मार्केट में भारी मांग है। इन उम्मीदवारों को कंपनियां लाखों में पैकेज प्रदान करती हैं।

इन क्षेत्रों में मिलेगी जॉब

आईटी सेक्टर में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आपके पास सरकारी के साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों में जॉब की कमी नहीं है। वर्तमान में सभी काम आईटी और टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गए हैं इसलिए हर कंपनी में आईटी के पेशेवरों की जरूरत रहती है। वर्तमान में हर किसी के लिए डाटा महत्वपूर्ण हो गया है। इसलिए देश की विभिन्न सरकारी कंपनियां और विभाग अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिए आईटी इंजीनियर्स को हायर करती हैं। इसके लिए समय-समय पर आप इन भर्तियों में शामिल होकर सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। निजी क्षेत्र में ई कॉमर्स इंडस्ट्री, टेलीकम्युनिकेशन, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में जॉब प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा मशहूर कंपनियां इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सहित विभिन्न कंपनियां अच्छे पैकेज पर आईटी में पेशेवर लोगों को काम कर रखती हैं।

इस झील पर एक घंटे में हजारों बार कड़कती है बिजली

पृथ्वी पर आए दिन नई-नई घटनाएं देखने को मिलती हैं। कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं जिनका आज तक वैज्ञानिक भी पता नहीं कर पाए हैं। ऐसी ही एक अलौकिक घटना दक्षिण अमेरिका में स्थित देश वेनेजुएला में देखने को मिलती है। जहां हर समय आसमानी बिजली कड़कती रहती है, लेकिन आज तक इसके पीछे का कारण कोई नहीं सुलझा पाया है ये अनोखी घटना वेनेजुएला में मौजूद कैटाटुम्बो नदी के पास देखने को मिलती है। इसी नदी के निकट एक झील है जिसके ऊपर हमेशा बिजली कड़कती रहती है। जिसका पता वैज्ञानिक आज तक नहीं लगा सके हैं। यहां होने वाली अनोखी घटना को 'कैटाटुम्बो लाइटनिंग' भी कहा जाता है। इस जगह एक घंटे में बार-बार बिजली गिरती है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार बारिश के दिनों में यहां एक मिनट के अंदर औसतन 28 बार बिजली चमकती है। इस झील को मैराकाइबो झील के नाम से जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार इस घटना को वैज्ञानिक इस घटना को 'द मैराकाइबो बीकन' नाम भी देते हैं। तकनीक के इतने विकसित हो जाने के बाद भी आज तक को इसके पीछे का कारण पता नहीं करा जा सका है। दुनिया भर के लोग इस जगह को 'प्राकृतिक बिजली घर' के नाम से भी जानते हैं। इसके अलावा इस जगह को टाटुम्बो लाइटिंग, एवरलास्टिंग स्टॉर्म, ड्रैमेटिक रोल ऑफ थंडर नाम भी दिए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रत्येक साल यहां करीब 250 तूफान आते हैं। इन दिनों में हर दिन यहां रातभर बिजली चमकती रहती है। इस जगह के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

इतने पढ़े लिखे हैं इसरो के एस सोमनाथ इतने कॉलेजों से ले चुके हैं डिग्रियां

चंद्रयान 3 के चांद पर सफल लैंड हो जाने के बाद इसरो की दुनिया भर में तारीफ हो रही है। किसी भी मिशन के सक्सेसफुल होने में उसके चीफ का रोल अहम होता है। इस समय इसरो के चीफ एस सोमनाथ हैं। जोकि स्पेस इंजीनियरिंग से जुड़े मामलों के एक्सपर्ट हैं। एस सोमनाथ को 57 वर्ष की उम्र में ISRO चीफ बनाया गया है। सोमनाथ का सफर बेहद ही दिलचस्प है।

एस सोमनाथ का जन्म जुलाई 1963 में केरल के अलापुझा जिले में हुआ था। उनका पूरा नाम श्रीधर परिकर सोमनाथ है। उनकी शुरुआती पढ़ाई स्थानीय स्तर पर हुई है, उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए केरल के कोल्लम में स्थित टीकेएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया। यहां से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने के दौरान वह टॉपर्स की लिस्ट में शामिल रहे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस बंगलुरु से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। जहां उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया। यहां से उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है।

एस सोमनाथ का नहीं है कोई मुकाबला

वैज्ञानिक एस सोमनाथ एक विषय के विशेषज्ञ नहीं बल्कि कई विषयों के एक्सपर्ट हैं। वह लॉन्च वाहन सिस्टम इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल डिजाइन, स्ट्रक्चरल डायनेमिक्स, मैकेनिज्म डिजाइन और पायरोटेक्निक बनाने की विद्या में विशेषज्ञता के साथ लॉन्च वाहन डिजाइन में पारंगत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों की एक टीम का नेतृत्व किया जिसने देश का सबसे शक्तिशाली अंतरिक्ष रॉकेट, जीएसएलवी एमके-III लांचर विकसित किया। सोमनाथ 2010 से 2014 तक GSLV Mk-III परियोजना के निदेशक थे। इस स्पेस क्राफ्ट से सैटलाइट लॉन्चकी जाती हैं। उन्होंने 3 सफल जियोसिंक्रोनस लॉन्च व्हीकल मिशन और 11 सफल पीएसएलवी मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हासिल की हैं कई उपलब्धि

एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया ने इसरो चीफ एस सोमनाथ की उपलब्धियों के लिए गोल्ड मेडल भी दिया है। उन्हें GSLV मार्क-III के लिए वर्ष 2014 में परफॉर्मेंस एक्सिलेंस अवॉर्ड मिला था। इसके अलावा वह इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो रहे हैं। वहीं, वह इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स से भी जुड़े हैं।

GENERAL KNOWLEDGE

-इसरो के मिशन 'चंद्रयान-3' की निदेशक कौन हैं?
उत्तर- ऋतु करिधाल श्रीवास्तव
-मिशन 'चंद्रयान-2' के समय इसरो के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर- के सिवन
-चंद्रयान 3 मिशन पर कुल कितना खर्चा हुआ है?
उत्तर- 615 करोड़ रुपये
-इसरो का चंद्रयान-1 मिशन कब लॉन्च हुआ था?
उत्तर- 22 अक्टूबर 2008 को
-अंतरिक्ष मिशन पर जाने वाले यान का पहला हिस्सा क्या कहलाता हैं?
उत्तर- प्रोपल्शन मॉड्यूल
-इस बार इसरो ने लैंडर और ओवल का क्या नाम रखा है?
उत्तर- प्रज्ञान
-चंद्रयान 3 का भार कितना है?
उत्तर- 3900 किलोग्राम
-चन्द्रमा का अध्ययन क्या कहलाता हैं?
उत्तर- सेलेनोलोजी
-मिशन चंद्रयान-3 का समय काल कितना है?
उत्तर- 1 लुनार
-द्रयान 3 को किस रॉकेट से लॉन्च किया है
उत्तर- एलवीएम3-एम4
-चंद्रयान-1 कब तक सक्रिय रहा?
उत्तर- 30 अगस्त 2009 तक
-दूसरा चंद्रमा मिशन कब हुआ था
उत्तर- 22 जुलाई 2019
-तीसरा चन्द्रमा मिशन कब हुआ है
उत्तर- 14 जुलाई 2023
-चंद्रयान 2 किस रॉकेट से लॉन्च हुआ था
उत्तर- GSLV MK 3
-इसरो की स्थापना कब हुई थी
उत्तर- 1969
-वर्तमान में इसरो के अध्यक्ष कौन है
उत्तर- एस सोमनाथ
-इसरो का मुख्यालय कहा स्थित है
उत्तर- बेंगलुरु
-भारत के मून मैन ऑफ इंडिया किसे कहते हैं
उत्तर- के सिवान
-चंद्रयान 3 कहा से लॉन्च हुआ है
उत्तर- सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्री हरिकोटा

सहकारिता सदस्यता अभियान- 2023 की बैठक सम्पन्न

प्रखर मिजार्पुर। शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय बरौधा कचार मीरजापुर के सभागार में बी- पैक्स सदस्यता महाअभियान 2023 सहकार से समृद्धि के तहत जिला व्यापी सदस्यता अभियान के संदर्भ में आज बैठक सम्पन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आये हुए अतिथिगण विषय प्रवर्तक सह संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ उ0प्र0 रामचन्द्र मिश्र व मार्गदर्शक क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी भाजपा दिलीप सिंह का अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत अभिनन्दन किया एवं आये हुए सभी समितियों व संघों के अध्यक्षों व संचालकों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि रामचन्द्र मिश्र ने बताया कि सहकारिता सदस्यता अभियान 01 सितम्बर 2023 से 30 सितंबर 2023 तक प्रदेश की समस्त बी- पैक्स समितियों पर प्रदेश व्यापी सदस्यता अभियान चलाया जाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सर्वांगीण विकास में सहकारिता के महत्व को समझते हुए 06 जुलाई 2021 को देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को मंत्री सहकारिता का दायित्व दिया। मंत्रालय बनने के उपरांत बी0 पैक्स के सुधरीकरण की दिशा में विभिन्न कार्य केन्द्र एवं राज्य सरकार के सहकारिता मंत्री जे0पी0एस0 राठौर द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन सदस्यता का विशेष अभियान 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2023 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान का सफल बनाने हेतु निम्नलिखित सभी अतिथि निर्धारित जिले के सदस्यता प्रमुख एवं सह प्रमुख से सम्पर्क करके बैठक की तिथि समय स्थान तय करके बैठक की सफलता सुनिश्चित करना तय करें। अन्त में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह ने सभी बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए वृहद सदस्यता अभियान से जुड़ने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रभारी सहकारिता हरिशंकर सिंह पटेल तथा संयोजक जिला संयोजक सहकारिता अनिल कुमार सिंह ने किया। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से सभापति जिला सहकारी बैंक जगदीश सिंह पटेल,सभापति जिला सहकारी संघ विजय वर्मा, सभापति केन्द्रीय उपभोक्ता भंडार नागेश्वर तिवारी, सभापति क्रय झ्र विक्रय मीरजापुर दिनेश प्रताप सिंह, सभापति क्रय-विक्रय अहरौरा रामधनी सिंह, सभापति क्रय-विक्रय कछवां विजय नरायन सिंह, उप सभापति जिला सहकारी बैंक विपुल सिंह, उपसभापति केंद्रीय उपभोक्ता भंडार अखिलेश कुमार सिंह, उप सभापति जिला सहकारी संघ शिव शरण राय, जिला सह संयोजक सहकारिता बालेश्वर सिंह, सुभाष सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, प्रणेश प्रताप सिंह, संजय यादव, दिनेश वर्मा, लाल बहादुर सरोज, पूर्व विधायक सुचिस्मिता मौर्या, पूर्व जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सिंह, क्षेत्रीय मंत्री गुलाब पासी के साथ - साथ जिले के सभी सहकारी साधन समिति के सभापतिगण उपस्थित रहे।

बीपी मंडल सामाजिक न्याय के जनक थेः देवी प्रसाद चौधरी

प्रखर मिजार्पुर। सामाजिक न्याय के महान नायक बी0पी0 मण्डल की जयंती पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता मे मनाई गई। इस अवसर पर बी0पी0 मण्डल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया गया और गोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि बीपी मंडल पिछड़ा वर्ग के सामाजिक न्याय के महानायक व मूक क्रांति के जनक थे. बीपी मंडल विधायक, सांसद, मंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री भी रहे. पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप की गई सिफारिशों के कारण ही उन्हें पिछड़ा वर्ग के महानायक के रूप में याद किया जाता है। जिलाध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि बीपी मंडल ने कहा था कि आरक्षण संवैधानिक मौलिक अधिकार उन्मूलन व आर्थिक उन्नयन का साधन नहीं, बल्कि वंचित तबके के प्रतिनिधित्व सुनिश्चितिकरण का आधार है। बीपी मण्डल निष्काम कर्मयोगी थे, उन्होने समाज के गरीब, कमजोर, पिछड़े. वर्गो के संवैधानिक अधिकारों को दिलाने वाली रिपोर्ट की थी।

नाथापट्टी के ग्रामीणों ने शवदाह गृह बनाने का किया मांग

प्रखर फाजिलनगर। विकास खंड फाजिलनगर के ग्राम सभा नाथापट्टी में शव दाह गृह नहीं होने से बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार करने के दौरान ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। बताते चलें कि उक्त ग्रामसभा के श्मशान घाट पर आधा दर्जन गांवों के लोग शव अंतिम संस्कार करने के लिए यहीं पर आते है। लेकिन यहां पर अभी अभी तक शव दाह गृह का निर्माण नहीं हुआ है। शुक्रवार की उक्त ग्रामसभा निवासी अनिरुद्ध की माता की मृत्यु होने पर उनको अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीण लाए तो बरसात के चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिससे लोगों में काफी नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीण मुन्ना प्रसाद,कांतालाल, रामसेवक पासवान, रामधीरज शर्मा, जयनारायण प्रसाद, अमीन अंसारी, गुलाब अंसारी, श्रीनिवास शर्मा, इंद्रदेव भगत, राजमंगल खलीफा, मोतीचंद निषाद, राजू निषाद, सीताराम यादव, भुनेश निषाद, धेनुषधारी शर्मा इद्रीश मिया आदि ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट पर नाही शव दाह गृह का निर्माण हुआ है और वहा जाने के लिए बरसात में सड़क पर कीचड़ लग जाता है अंतिम संस्कार के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ तो हमलोग बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। नाथापट्टी के ग्रामप्रधान संजय चौरसिया का कहना है कि शवदाह गृह के लिए उच्चाधिकारियों को कई बार प्रस्ताव बनाकर दिया गया है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अगर मांग पूरी नहीं हुई तो इसके लिए ग्रामीणों के साथ जिला मुख्यालय पर पहुंच धरना करने लिए बाध्य होंगे।

नगर निगम कर्मियों द्वारा यादव पशुपालकों का उत्पीडन बंद हो : शालिनी यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निगम कर्मियों द्वारा कतिपय यादव गौपालकों का उत्पीड़न जाति के आधार पर किए जाने पर शालिनी यादव ने नगर आयुक्त को ज्ञापन देकर आपत्ति दर्ज कराई है` श्रीमती यादव ने कहा कि बनारस के धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाने की प्रक्रिया में यहां के यादव बंधुओं का अतुलनीय योगदान रहा है इतिहास में स्पष्ट उल्लेख है कि मध्यकाल में बाबा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की विदेशी आक्रमणकारियों से सुरक्षा हेतु तत्कालीन महाराजों ने इन यादव बंधुओं को यहां इसलिए स्थापित किया कि न सिर्फ ये उनसे मंदिर की रक्षा करेंगे बल्कि पशुपालन करके उनके दूध दही से यहां के लोगों को स्वस्थ्य रखने का भी कार्य करेंगे यही वजह रही कि कई महत्वपूर्ण धार्मिक कार्यों में इनको हिस्सेदारी दी गई यही नहीं बनारस के कई खाद्य पदार्थ आज जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हैं जैसे मिठाइयां, लस्सी, मलीईयो, ठंडाई, रबड़ी व मलाई इत्यादि उसका श्रेय इन्ही यादव बंधुओं को जाता है शालिनी यादव ने कहा कि नगर निगम के नियमो का पालन करने के बावजूद यादव पशुपालकों को अनावश्यक रूप से कतिपय निगम कर्मियों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है पिछले दिनों ऐसी ही एक घटना सामने घाट के इलाके से प्रकाश में आई है `शालिनी यादव ने नगर आयुक्त से कहा कि मुख्यमंत्री जी की भावना के अनुरूप इन गौपालको के प्रति सहानभूति रखते हुए इन्हे अनावश्यक रूप से प्रताड़ित न किए जाने के आदेश नगर निगम कर्मियों को जारी किया जाना न्यायहित में होगा।

प्रो. पुरूषोत्तम अग्रवाल को मिलेगा इस वर्ष पं. कमलापति त्रिपाठी राष्ट्रीय सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। तीन सितंबर को प्रति वर्ष होने वाले परम्परागत पं.कमलापति त्रिपाठी जयन्ती समारोह में पत्रकारिता या साहित्य के क्षेत्र में एक लाख रुपए की पुरस्कार धनराशि के साथ दिया वाला पं. कमलापति त्रिपाठी राष्ट्रीय सम्मान इस वर्ष सुप्रसिद्ध साहित्यकार, संघ लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य एवं जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर प्रो.पुरुषोत्तम अग्रवाल को प्रदान किया जायेगा पं.कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन की ओर से हर साल काशी से दिये जाने वाले उक्त प्रशस्त राष्ट्रीय सम्मान का निर्णय फाउंडेशन अध्यक्ष श्री राजेशपति त्रिपाठी की अध्यक्षता में फाउंडेशन की चयन समिति ने किया` तीन सितम्बर को औरंगाबाद में आयोजित हो रहे इस वर्ष के पं. कमलापति त्रिपाठी की 118 वीं जयन्ती समारोह में उक्त सम्मान ग्रहण करने के लिये काशी आ रहे प्रो.पुरुषोत्तम अग्रवाल समारोह में पं.नेहरू की धर्म नीति" विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी देंगे ` यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रसिद्ध लेखक पं.जवाहर लाल नेहरू के कई भाषा एवं अनेक संस्करणों में छपे ग्रंथ भारत की खोज के भारत माता की जय शीर्षक अध्याय में स्थापित भारत माता और भारतीय राष्ट्रवाद की समावेशी अवधारणा की बुनियाद पर प्रो.अग्रवाल का विगत वर्ष प्रकाशित ग्रंथ कौन हैं भारत माता भरपूर चर्चित हुआ है` उल्लेखनीय है कि पं.कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया एक लाख का उक्त राष्ट्रीय पुरस्कार पत्रकारिता एवं साहित्य क्षेत्र में उल्लेखनीय सर्जनात्मक योगदान के लिये दिया जाता रहा है अब तक वह मृणाल पान्डेय, स्व.विनोद दुआ, श्री पुण्य प्रसून बाजपेयी, प्रो.काशीनाथ सिंह आदि को राष्ट्रीय स्तर पर एकल रूप से तथा क्षेत्रीय स्तर पर ब्रजेश मिश्र, विजय विनीत, पवन जायसवाल, प्रदीप कुमार, ए.के. लारी, कृष्णदेव नारायन राय, राजीव ओझा, सरोज सिन्हा, श्रावणी भट्टाचार्य आदि को सामूहिक रूप में दिया जा चुका है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का अपर निदेशक ने किया औचक निरीक्षण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के नई बाजार में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण करने गुरुवार को अनिल कुमार पाण्डेय पहुंचे। अपर निदेशक विंध्याचल मंडल पहुंचते ही सीएचसी में हड़कंप मच गया। अपर निदेशक अनिल कुमार पांडेय पहुंचते ही दवा वितरण के लिए कतारों में खड़े मरीजों का हाल चाल जाना और दवा वितरण कक्ष से जो दवा मरीजों को नहीं मिल पा रही है उसको प्रबंध करने का आदेश दिया गया। वही अपर निदेशक अनिल पांडेय विंध्याचल मंडल ने बताया कि अहरौरा में ट्रामा सेंटर का प्रस्ताव भेज दिया गया है। जैसे ही आदेश आता है ट्रामा सेंटर के लिए कार्य शुरू कर दिया जाएगा। अहरौरा क्रिटिकल जोन होने के कारण आए दिन एक्सीडेंटल मरीजों को वाराणसी रेफर कर दिया जाता है जिससे मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। अपर निदेशक द्वारा सीएचसी में रखे उपस्थिति पंजिका की जांच किया तो चिकित्सक अभिषेक कुमार, इशांत सिंह, सीमा, फर्मासिस्ट जलालुद्दीन, पुष्पा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित पाए गए।

ऐतिहासिक अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी हुई सम्पन्न

प्रखर जौनपुर। करबला में हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व उनके 71 साथियों की दी गई कुबार्नी की याद में जौनपुर का प्रसिद्ध ऐतिहासिक अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी गुरूवार को इमामबाड़ा मीर बहादुर अली मरहूम दालान से शाम को निकला गया। इस जुलूस का इतिहास ये है कि सन 1942 में इस इलाके में ताउन यानी प्लेग की बीमारी फैल गई थी और हर घर से लाश निकल रही थी लोग बहुत परेशान थे। जुलूस के बानी सैय्यद जुल्फेकार हुसैन रिजवी ने अपने दो साथियों अली बाकर आब्दी व अमीर हसन खां के साथ मिलकर एक फरियादी अलम उठाने का संकल्प लिया और अलम उठाया गया और उसको बीमारी वाले रास्ते से घुमाया गया चमत्कार ये हुआ कि लोगो को बीमारी से निजात मिल गई बीमारी समाप्त हो गई। जब बीमारी समाप्त हो गई तो इन लोगो ने अलम को हर महीने उठाने का फैसला किया। उसके बाद सफर की नौचंदी जुमेरात को एक बड़े जुलूस में तब्दील कर दिया गया। इस जुलूस में प्रदेश के कोने कोने से हर धर्म के लोग एकत्रित होते हैं और अपनी मुरादे पाते हैं। अलम पर लोग छिल्ला बांधते हैं और उनकी मुरादे भी पूरी होती है। इस वर्ष इस जुलूस की मजलिस की शुरूआत सोजखानी से हुई जिसको गौहर अली जैदी और उनके साथियों ने पढ़ा उसके बाद मजलिस की संबोधित करने पटना से आए मौलाना सैयद मुराद रजा रिजवी हाल मुकीम ईरान ने संबोधित किया। मजलिस खत्म होने के बाद अलम मुबारक निकाला गया अलम निकलने के बाद मोहम्मद हसन नसीम ने तकरीर कर अमारियों का परिचय कराया। अमारिया बारी बारी निकाली गईं। जुलूस में शहर की समस्त अंजुमन नौहा मातम करती चल रही थी। जुलूस जब इमामबाड़ा मीर घर पहुंचे तो वहां एक तकरीर डॉ सैयद कमर अब्बास द्वारा की गई और ताबूत जनाबे सकीना बरामद हुआ जिसको अलम मुबारक से मिलाया गया। जुलूस जब सदर इमामबाड़ा पहुंचा तो वहा बेलाल हसनैन ने एक अलवेदाई तकरीर की और अमारी रौजे में बारी बारी दाखिल की गई। जुलूस के व्यवस्थापक सैयद अलमदार हुसैन रिजवी, दिलदार हुसैन रिजवी, कन्वीनर सैयद शहेंशाह हुसैन रिजवी एडवोकेट व उनके भाइयों व तामीर हसन शीबू द्वारा आए हुए तमाम लोगों का आभार प्रकट किया।

पीजी कालेज शोध प्रबन्ध गोष्ठी में अंशुमान सिंह ने किया जोरदार शोध वाचन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीजी कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी में विज्ञान संकाय के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विषय के शोधार्थी अंशुमान सिंह ने अपने शोध शीर्षक "समग्र रामायण में शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद का विश्लेषणात्मक अध्ययन वर्तमान सन्दर्भ में" नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए रामायण कालीन समाज, शिक्षा, दीक्षा और शारीरिक शिक्षा के विविध आयामों पर विस्तृत शोध वाचन किया और रामायण कालीन व्यायाम व मनोरंजन के नृत्य गायन वादन के अनेकों प्रकार व तकनीकों पर विस्तार से वैज्ञानिक दृष्टि से वर्तमान की समस्त तकनीकों का तुलनात्मक पक्ष रखते हुए, रामायण कालीन छात्रों की दिनचर्या का सुव्यवस्थित तरीके से विभिन्न पहलुओं पर विशेष ध्यान आकृष्ट किया जैसे ब्रह्मुहुर्त में उठकर योग, ध्यान, पिपश्ना, चिंतन, मनन, व्यायाम, अस्त्र शस्त्रों जैसे धनुर्विद्या, तलवार बाजी, भाला, बरछी, फरसा, गदा, कुश्ती, कूद, भाला फेंक आदि का प्रशिक्षण छात्र कुशल गुरुजनों से प्राप्त करते थे, इसके साथ साथ ज्ञानरंजन कार्य शुद्ध प्राकृतिक वातावरण में होता था, उस समय सभी का भोजन शुद्ध व सात्विक होने के साथ साथ कन्द, मूल, फल, शहद, घी, दूध, दही, अजवाइन, जीरा, सेंधानमक, आम का पना, इत्यादि भोजन में शामिल किया जाता था। रामायण काल में स्वास्थ्य, हृष्ट-पुष्ट शरीर, निरोगी काया और आदर्श व्यक्तित्व ,अनुशासित जीवन पर शक्ति से अनुपालन किया जाता था और माता-पिता, व गुरुजनों का आदर व सम्मान किये जाने हेतु दृढ संकल्प लिए जाते थे। उक्त शोध कार्य वर्तमान पीढ़ी के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्गदर्शन साबित होगा।

प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थी अंशुमान सिंह ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह, मुख्य नियंता प्रोफेसर डॉ० एस० डी० सिंह परिहार, शोध निर्देशक डॉ० ओमदेव सिंह गौतम एवं शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० लवजी सिंह, डॉ० अनुराग सिंह, प्रोफेसर डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० रामदुलारे, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० अमरजीत सिंह, डॉ० सुधीर कुमार सिंह, डॉ० डॉ० सत्येंद्र नाथ सिंह, डॉ० हरेंद्र सिंह, डॉ० रविशेखर सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ०शिवशंकर यादव, डॉ. मनोज कुमार मिश्र, डॉ० अतुल कुमार सिंह, डॉ० रामधारी, डॉ० श्रवण कुमार शुक्ला एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 43 बच्चे पुरस्कृत किये गये

प्रखर वाराणसी। आशा ट्रस्ट ने आयोजित कराई थी स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित सामान्य ज्ञान स्पर्धा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख घटनाओं से बच्चों को परिचित कराने की दिशा में एक पहल। विगत दिनो सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के तत्वावधान में चौबेपुर क्षेत्र के 8 विद्यालयों में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. जिसमें कक्षा आठ के तीन सौ से अधिक बच्चे शामिल हुए. परीक्षा में प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 से लेकर 1947 में आजादी मिलने तक की प्रमुख घटनाओं से सम्बन्धित 50 प्रश्न पूछे गये थे. उक्त परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चयनित 43 बच्चों को शुक्रवार को उनके विद्यालय में जाकर संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा पुरस्कृत किया गया. सभी विद्यालयों की संयुक्त स्पर्धा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय धौरहरा के छात्र मनी राम ने प्रथम और यही के गौरव यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. जबकि संविलियन विद्यालय ढाखा की छात्रा रिया शर्मा द्वितीय स्थान पर रही. संस्था के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। परीक्षा आयोजन में प्रमुख रूप से सौरभ, दीन दयाल सिंह, प्रदीप सिंह, रमेश प्रसाद, अमित कुमार, बृजेश कुमार आदि का प्रमुख योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

अभद्रता करने पर शिक्षक निलंबित

प्रखर वाराणसी। विकासखंड आराजी लाइंस में स्थित कंपोजिट विद्यालय शाहंशाहपुर में सहायक अध्यापक कुंवर दिग्विजय पाल सिंह ने कुछ छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। जिसकी शिकायत स्वयं छात्रा द्वारा प्रधानाध्यापिका से की गई। इस प्रकरण में सहायक अध्यापक कुंवर दिग्विजयपाल सिंह को निलंबित कर दिया गया है। प्रकरण की जांच में खंड शिक्षा अधिकारी आराजी लाइंस के समक्ष छात्रा ने स्वयं इस बात को स्वीकार किया की सहायक अध्यापक ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। सूत्रों बताते है कि निलम्बित सहायक अध्यापक मामले को लीपा-पोती करवाने का प्रयास कर रहे है। मामले के जांच अधिकारी बीईओ है।

कमलेश यादव भानू बने समाजवादी शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष

प्रखर मनिहारी (गाजीपुर)। स्थानीय विकासखंड के सलेमपुर (नसीरपुर) गांव निवासी कमलेश यादव भानू समाजवादी शिक्षक सभा का जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं मुबारकपुर हरतरा सादात निवासी संजय यादव पप्पू को समाजवादी शिक्षक सभा, उ0प्र0 की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया है।उनका मनोनयन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के मार्गदर्शन से शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डा.एस पी सिंह पटेल ने किया है। जिससे कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। मनोनयन पत्र देते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह पटेल ने कहा है कि विश्वास है कि आप लोग समाजवादी पार्टी की विचारधारा तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों एवं कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा व लगन से जन-जन तक पहुंचाते हुए पार्टी को और अधिक बल और गतिशीलता प्रदान करने का काम करेंगे।वहीं इसकी जानकारी देते हुए कमलेश यादव भानू ने बताया कि पार्टी की तरफ से समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश भर से 31 जिलाध्यक्षों एवं महानगर अध्यक्षों की सूची जारी की गई है, जिसमें गाजीपुर के जिलाध्यक्ष के रूप में उनका मनोनयन हुआ है।और प्रदेश सचिव के पद पर संजय यादव पप्पू को मनोनीत किया गया है।

26 क्रशर प्लांट व 40 खदानों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सील कर लगाया ताला

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ बुधवार की देर रात भगौतीदेई, सोनपुर, चकजाता व बियाहुर गांव में 26 क्रशर प्लांटों को सील कर ताला लगा दिया गया है। वहीं 40 खदानों को भी सील कर दिया गया है।

संयुक्त टीम की कार्रवाई से खनन महकमे में हलचल मची– राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने बीते तीन जुलाई को मानक के विपरीत भगौतीदेई, सोनपुर, चकजाता व बियाहुर गांव में संचालित हो रहे 26 क्रशर व 40 खदानों पर रोक लगाने का आदेश पारित किया था। इसके बाद सभी प्लांटों व पट्टा धारकों को नोटिस जारी किया गया था। एनजीटी के आदेश पर क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 25 जुलाई को चिह्नित किया ।

एनजीटी नई दिल्ली के निर्देश पर हुई कार्रवाई– प्लांटों व पत्थर खदानों पर सीलिंग किए जाने का निर्णय लिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर बीते 21 अगस्त को क्रशर प्लांटों व खदानों को सील किए जाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी आरके सिंह के नेतृत्व में नायब तहसीलदार चुनार व पुलिस की संयुक्त टीम सभी प्लांटों को सीज करते हुए ताला बंद कर दिया। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी ने बताया कि एनजीटी के आदेश पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है।

सड़क में गड्ढा और जलजमाव से ग्रामीण और राहगीर परेशान और बेहाल : रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत लक्ष्मीगंज - रामबाग सड़क से ग्रामसभा देवरियाबाबू - पगार छपरा होते हुए मिशौली में कप्तानगंज - नौरंगिया सड़क से यह सड़क जुड़ रही है जिसकी हालत बद से बत्तर हो चुकी है। सड़क के बीचों बीच में गड्ढा, गढ्ढे में पानी और किचड़ में ग्रामीण और राहगीर चलने को हो रहे है मजबूर। इस सड़क की हालत सबसे ज्यादा खराब ग्रामसभा पगार छपरा में है जो पूर्व विधायक श्री नारायण उर्फ भुलई भाई का पैतृक गाँव है। यह वही भुलई भाई है जिनका हाल चाल जानने के लिए विगत लगभग दो वर्ष पूर्व देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन करके जाना था। भाजपा के इतने बड़े वरिष्ठ नेता जिनकी उम्र इस समय लगभग 109 वर्ष की होने जा रही है उनके गाँव की सड़क की स्थिति इतनी नाजूक हो गयी है। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष

रामचन्द्र सिंह द्वारा इस सड़क को बनवाने के लिए लगातार माँग करने के बाद भी इस सड़क का नही बनना भारतीय जनता पार्टी की सरकार और जनप्रतिनिधियों के लिये शर्मशार है। विगत वर्षों में पूर्व विधायक भुलई भाई के घर सूबे के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही का भी आगमन इसी सड़क द्वारा हुआ था उस समय भी इस सड़क की हालत जैसे आज है वैसे तब भी थी। क्या कैबिनेट मंत्री का ध्यान सड़क पर नही गया होगा। मगर उनके द्वारा भी सड़क निर्माण के ऊपर ध्यान नही दिया गया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सूबे के मुख्यमंत्री का आदेश है कि, जो सड़के गढ्ढायुक्त है यदि गढ्ढामुक्त नही हुआ तो जिले के सम्बन्धित अधिकारी और जनप्रनिधि की जिम्मेदारी होगी मगर योगी जी के आदेश का सीधा - सीधा उलंघन हो रहा है जो एक चिन्ता और चिन्तन का विषय है। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह सूबे के मुख्यमंत्री से मांग कर रहे है कि, यदि जनहित में यह सड़क जल्द नही बनवाया गया तो होगा एक बृहद किसान आन्दोलन जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं